▪ चैत्र शुक्ल - 13 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 252 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 10-04-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

॥ वंदे श्री ऋषभं वीरं ॥

SEVA · KNOWLEDGE · ECONOMIC EMPOWERMENT · JITO

Jain International Trade Organisation

जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाईजेशन (JITO) बेंगलोर

JITO BANGALORE

सेवा, शिक्षा एवं आर्थिक सशक्तिकरण हेतु प्रतिबद्ध वैश्विक जैन मंच

मानव सेवा सर्वोत्तम सेवा

मंगलम् भगवान वीरो,
मंगलम् गौतम प्रभुः ।

मंगलम् स्थूलिभद्राद्या,
जैन धर्मोऽस्तु मंगलम् ॥

जीओ और जीने दो....

भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएँ

कदम दर कदम बढ़ रहा है जीतो, अपनों को साथ लेकर चल रहा है जीतो....

-:जीतो बेंगलोर द्वारा जैन समाज के चहुँमुखी विकास और जनोत्थान में गतिमान सफल प्रकल्प :-

JITO BUSINESS NETWORK

जीतो व्यापार वृद्धि एवं विकास

जीतो बिजनस नेटवर्किंग के जेबीएन ट्रेंडसेटर व जेबीएन टायकून के सदस्य भारत भर के सभी चैप्टरों के सदस्यों से जुड़कर सुगमता से व्यापार को आगे बढा रहे है , अब तक लगभग 12000 सदस्यों में आपसी व्यापारिक संबंध जुड़े है और उनका आपस लगभग 900 करोड़ के व्यापारिक समझोते हुए । जेबीएन में सदस्यता हेतु संपूर्ण जैन समाज के लिए विकल्प खुला है ।

JITO PROFESSIONAL FORUM

जीतो प्रोफेशनल फोरम

जीतो प्रफेशनल फोरम विश्व स्तर पर पेशवरों को नेटवर्क बनाने, संलग्न करने, पेशवर विकास एवं विकास की दिशा में काम करना का मंच है। इसके अंतर्गत स्टार्टअप पिच, पारम्परिक व्यवसाय से परे, व्यापार की खामियों से व्यापारिक सफलता, बजट सेमिनार, पॅवर लंच सिरीज, आईबाक्स-एमर्टिंग ट्रेंड व्यापार, मेंटर-मेंटी जैसे सेमिनार आयोजित कर व्यापरिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया गया। 1000 से अधिक प्रोफेशनल्स सदस्य इसमें जुड़े हुए है ।

JITO JIIF INCUBATION & INNOVATION FOUNDATION

जीतो इंक्यूवेशन एण्ड इनोवेशन फाउंडेशन

JIIF विश्व स्तर पर एंजल नेटवर्क और स्टार्टअप पारिस्थितिक तंत्र प्रदान करता है। निवेश करना, सलाह देना और अभिनव जैन उद्यमियों की आकांक्षाओं को सुगम बनाना इस फाउंडेशन के माध्यम से संभव है । JIIF को सबसे तेजी से बढ़ते एंजल नेटवर्क में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त है और यह भारत में सबसे मजबूत टेक्नोलॉजी बिजनेस इंक्युबेटरों में एक के रूप में उभरा है ।

JITO CENTER FOR EXCELLENCE

जीतो स्किल डेवलपमेन्ट

आज के तकनीकी युग में पारंपरिक संसाधनो से परे अत्याधुनिक संसाधन का ज्ञान व्यापारिक उन्नति में सहायक है। ऐसे तकनीकी गुरों को सिखने के उत्सुको को प्रशिक्षण देकर उनका कौशल विकास (Skill Development) कर उनको स्वावलंबी बनाना। मुख्य रुप से डिजीटल मार्केटिंग, ऑफीस वर्क फ्लो, जीएसटी-टेली, एम.एस. ऑफीस ईत्यादि का प्रशिक्षण देना । इस परियोजना में 1200 से अधिक छात्रायें लाभान्वित है ।

JITO SPORTS

जीतो स्पोर्टस्

जीतो बेंगलोर द्वारा प्रतिभानुसार खिलाड़ियों के लिए विभिन्न खोलों (बेडमिंटन, स्विमींग, टेबल-टेनिस, चेस, क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबाल ईत्यादि) का बड़े रुप में आयोजन कर जैन समाज की भागीदारी को सुनिश्चित किया जा रहा है । विभिन्न खेलों के आयोजन के दौरान उम्दा प्रदर्शन करनेवाले चयनित 4000 खिलाड़ियों को राष्ट्रिय स्तर पर प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होता है।

JITO MATRIMONY

जीतो मेट्रिमोनी

मेट्रमोनी जैसी योजना आज समाज की प्रमुख जरुरतों में से एक बनती जा रही है। इस योजना के माध्यम से समाज के महानुभावों को उनकी गोपनियता और सुरक्षा की रक्षा करते हुए एक सुखद, संतोषजनक एवं बेहतर मेचमेकिंग अनुभव प्रदान करना है । इस योजना में योग्य युवक - युवतियों को पंजिकरण के माध्यम से सुखद परिणाम के प्राप्ती की संभावना रहती है । जीतो इस योजना के माध्यम से लाभ पहुँचाने की ओर अग्रसर है ।

JITO JOBS

जीतो जोब्स

जीतो बेंगलोर द्वारा जॉब मेले के माध्यम से एम्पलोय एवं एम्पलोयर दोनों को एक छत के नीचे इकट्ठा कर जॉब के उचित अवसर पैदा करना । एक वर्ष में लगभग 350 अभ्यार्थियों के जॉब की व्यवस्था करवाकर स्वावलंबी बनाया ।

JITO MINORITY

जीतो माइनोरिटी

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा जैन समाज को प्रदत्त अल्पसंख्यक दर्जा के लाभों की जानकारी संम्बंधित मन्त्री व सरकारी अधिकारियों से दिलवाकर जागरुकता अभियान चलाना । लगभग 2100 जरुरतमंदों के निशुल्क अल्पसंख्यक प्रमाणपत्र बनावाकर देना ।

JITO AWAS YOJANA

जीतो रांका नगर

जीतो बेंगलोर द्वारा साधर्मिक बंधुओं को रियायती दर में घर उपलब्ध कराने के लिए जीतो रांका नगर केंगेरी मैसूर रोड़ पर प्रोजेक्ट का कार्य प्रारंभ किया गया है । यह प्रोजेक्ट 6 एकर जमीन पर करीब 615000 स्क्वयर फीट में कुल 11 टॉवर्स, 880 दो बेडरुम के घर निर्माण किये जायेंगे । इस में शिखरबद्ध जैन मंदिर, उपाश्रय, स्थानक, तेरापंथ भवन, कम्यूनिटी हॉल, भोजनशाला, वैयावच्च रुपम 70% ओपन एरिया डिस्पेन्सरी, चिल्ड्रन प्ले एरिया, क्लब हाउस, 24 घंटे सेक्युरिटी, जीम, इनडोर गेम्स, सहित अन्य सभी प्रकार की आधुनिक सुविधा रहेगी । अभी तक 11 टॉवर में से 6 टॉवर के 450 घर दिए जा चुके है । जैन मंदिरजी हेतु भूमिपूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ है । बाकी फ्लाट की अलॉटमेंट की प्रक्रिया 2025 डिसंबर तक पूर्ण होगी ।

SHRAMAN AROGYAM

श्रमण आरोग्यम्

जीतो द्वारा श्रमण सेवा हेतु पूरे भारत भर में 14500 से अधिक साधु-साध्वी भगवंत की समुचित चिकित्सा व्यवस्था हेतु श्रमण आरोग्यम कार्ड का वितरण किया गया । हजारों की संख्या में साधु-साध्वीजी भगवंतों की सेवा निर्बाध गति से चलायमान्...

जीतो विहार धाम

दाबसपेट से 4 कि.मी. आगे नंदीहल्ली ग्राम में प्रथम विहार धाम गत 4 वर्षों से सेवा में समर्पित है । टुमकुर से 22 कि.मी आगे नेलहाल ग्राम में दूसरा विहार धाम पिछले 3 वर्ष से सेवा में समर्पित है ।

JITO JITEM INNOVATION TECHNOLOGY ENTREPRENEURSHIP & MANAGEMENT

जीतो जीतम्

जीतो की शोध शाखा उभरते क्षेत्रों में शीर्ष उद्यमियों, प्रवत्तियों, प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक अवसरों की पहचान करेगी । पारंपरिक व्यवसाय और उभरते उद्यमियों के लिए रोड़मैप तैयार करने के लिए उद्योग और तकनीकी नेताओं के साथ चर्चा करेगी।

JITO JATF ADMINISTRATIVE TRAINING FOUNDATION

जीतो बॉयस् हॉस्टल

बन्नेरगट्टा रोड़ पर स्थित गअढक्र ड.झ. गुलेच्छा जैन हॉस्टल पिछले 8 वर्षों से सेवा में समर्पित है । संपूर्ण वातानुकूलि 49 कमरों सहित 150 विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित संपूर्ण व्यवस्था के साथ उपलब्ध है । भारत के कई शहरों से अध्ययन हेतु बेंगलोर आनेवाले जैन विद्यार्थिओं को यहाँ पर घर जैसा माहौल, पूर्णत: जैन भोजन, आधुनिक डायनिंग हॉल, सुसज्जित लाईब्रेरी, जीम्, लांड्री एवं अन्य कई व्यवस्थाएँ यहाँ पर सहज उपलब्ध है ।

JITO JATF ADMINISTRATIVE TRAINING FOUNDATION

जीतो गर्ल्स हॉस्टल

जे.सी.रोड़ गोड़वाड़ भवन के पास निर्मित JATF बलदोटा गर्ल्स हॉस्टल पिछले 2 वर्षो से सेवा में समर्पित है । संपूर्ण वातानुकूलि 55 कमरों सहित 175 छात्राओं के लिए सुसज्जित संपूर्ण व्यवस्था के साथ गतिमान है । भारत के कई शहरों से अध्ययन हेतु बेंगलोर आनेवाली जैन छात्राओं के अभिभावकों के पूर्णत: निश्चिंतता का केन्द्र है । अत्याधुनिक सुविधाओं युक्त यह हॉस्टल उद्घाटन से ही अपनी पूर्ण क्षमता से गतिमान है ।

JITO JATF ADMINISTRATIVE TRAINING FOUNDATION

बी.पी. बोहरा एज्युकेशन फाउन्डेशन

बन्नेरगट्टा रोड़ स्थित गअढक्र बी.पी. बोहरा एज्युकेशन फाउंडेशन संपूर्ण भारत में णझडउ एरा (खअड, खझड, खठड, खत्रऊ, खठढड ईत्यादि) एवं सिविल सर्विसेज ट्रेनिंग के लिए षष्टम केन्द्र है । इन केन्द्रों से प्रशिक्षण प्राप्त कर अब तक 224 प्रशासनिक अधिकारीयों की केन्द्र सरकार में नियुक्ती हो चुकी है । शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए यह केन्द्र सेवा के लिए तैयार हैं।

JITO JEAP EDUCATION ASSISTANCE PROGRAM

जीतो जेईएपी

यह कार्यक्रम शिक्षा के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाने पर केंद्रित है, जो उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है । हम योग्य, जरूरतमंद एवं मेधावी छात्रों को वित्तीय सहायता एवं अन्य संसाधन प्रदान करके भारत और भारत के बाहर शीर्ष रेटेड संस्थानों में उच्छ शिक्षा प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने की राह पर है । इस योजना के अंतर्गत बेंगलोर के 10 विद्यार्थी उच्छ शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

JPOINT®

जेपाईंट

जे पॉईंट जीतो का एक डिजिटल परियोजना है । जिसे व्यवसायों के जुड़ने और सहयोग करने के तरीके को बदलने के लिए डिजाइन किया गया है । जे.पाईंट लीड जनरेशन में क्रांति लाने के लिए एक उन्नत फ्लेटफार्म है जो छोटे उद्यमों से लेकर विशाल निगमों तक सभी स्तरों के व्यवसायों की सेवा के लिए तैयार किया गया है ।

JITO INTERNATIONAL

जीतो इंटरनेशनल

नेटवर्किंग के माध्यम से अंतरराष्ट्रिय स्तर पर व्यावहारिक संबंध बनाने और पारस्परिक विकास एवं समाज उत्थान के लिए, प्रतिभा का हासिल करने हेतु वर्तमान में 28 अंतरराष्ट्रिय चैप्टर कार्यरत है ।

JAIN BANDHU — An Initiative of JITO Bangalore

जैन बंधु योजना

वर्ष 2020 से 2025 मार्च तक साधर्मिक परिवारों को उनके बैंक अकाऊंट में डायरेक्ट आर्थिक सहयोग भेजा गया है एवं छात्रवृत्ति योजना में पिछले 11 वर्ष से विद्यार्थीयों के लिए अध्ययन हेतु उत्तम राशि शिक्षण संस्थाओं को वितरण किया गया है ।

JITO BANGALORE SOUTH

Ranjeet Solanki – Chairman; Mahendra Jiani – Vice Chairman; Mahendra Ranka – Vice Chairman; Rajkumar Kothari – Vice Chairman; Rajendra Dantewadia – Vice Chairman; Nitin Lunia – Chief Secretary

Nemichand Chopra – Treasurer; Komal Bhandari – Secretary; Pratik Gandhi – Secretary; Mahaveer Dantewadia – Jt. Treasurer; Narendra Sanklecha – Jt. Treasurer

Chetan Bohra, Chetan Ladhani, Dinesh Mehta, Hitendra Jain, Inder Nahar, Kamlesh Nahar, Lalith Bagrecha, Mahaveer Bhansali, Manish Gulechha, Praveen Sofadiya, Rajesh Bhansali, Raunak Gulecha, Safal Sakaria, Shreyans Rakhecha, Tejpal Jain, Vijay Mehta

JITO LADIES: Babita Raysoni – Chairperson; Nidhi Palrecha – Chief Secretary

JITO YOUTH: Mehul Srisrimal – Chairman; Rishab Chopra – Chief Secretary

JITO BANGALORE NORTH

Vimal Kataria – Chairman; Kamal Punmiya – Vice Chairman; Dinesh Bafna – Vice Chairman; Vijay Singhvi – Chief Secretary; Narendra Achha – Treasurer; Ashok G Bhandari – Secretary

Madan B Jain – Secretary; Pankaj S Balar – Secretary; Preteesh Jain – Secretary; Kishore S Karnawat – Jt. Treasurer

Arun Kumar Jain, Arvind Kumar Taprawat, B Ramesh Chand Bohra, Chandra Shekar Jain, Dinesh Kumar Khivesara, Dinesh Lodha, Nemi Chand Dalal, Nitesh Kumar Gandhi, Pramit J Bafna, Praveen Kumar Chowhan, Rakesh Choudhary, Ramesh Chand B Dak, Rhakesh Pokarana, Satish Porwad, Siddarth Patwa, Sunil Kumar D, Sunilkumar Lodha, Suresh Kumar Ganna, Vinod Nandawat, Yogesh Chowdhary,

JITO LADIES: Laxmi Bafna – Chairperson; Raksha Chajjed – Chief Secretary

JITO YOUTH: Anish Bhojani – Chairman; Ashish Taprawat – Chief Secretary

Awas Niwas Project Team

Kiran Gala – Project Chairman; Mahendra Jiani – Vice Chairman; Kamal Shah – Secretary

JITO KKG Zone

Praveen Bafna – Chairman; Santosh Porwal – Vice Chairman; Dilip Jain – Chief secretary; Omprakash Jain – Treasurer

JITO Apex Director From KKG Zone

Sripal Bachawat – Secretary JITO Apex; Praveen Bafna – Director JITO Apex; Bherumal Bhandari – DIC Shraman Arogyam; Narendra Singh Samar – Director; Praveen Shah – DIC Youth Wing Apex; Shailesh Haran – DIC JIIF JITO Apex; Pushpak R Hanamannavar – DIC Minority

JITO Bangalore Past Chairman

Tejraj Gulecha, Prakashchand Singhvee, Rajendra Gandhi, Paras Jain, Sripal Khivesara, Ashok S Nagori, Dinesh Bohra, B Inderchand Bohra

97, 1st Floor, Mahaveer Arcade, Sirsi Road,Chamrajpet, Bengaluru – 560 018, Tel: 080-2670 5511 / 2670 5533, Email: bangalorechapter@jito.org, Website: www.jitobangalore.com | # 85, 1st Floor, 59th Cross Rd, 4th Block, Rajajinagar, Bengaluru-560010, Mob: 99025 69865, Email: bangalorenorth@jito.org, Website: jitobangalorenorth.org

फ्रीडम पार्क में गूंजा 'नवकार मंत्र' नमो अरिहन्ताणं....

■ बड़ी संख्या में उपस्थित जनमेदनी ने पूरी श्रद्धा व आस्था से किया जाप
■ संतों के सान्निध्य में मनाया गया 'जीतो' का विश्व नवकार महामंत्र दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा बुधवार को विश्व शांति हेतु शहर के फ्रीडम पार्क में पूरी आस्था व श्रद्धा के साथ सामूहिक जैन नवकार महामंत्र दिवस का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर पूरे अनुशासन में कतारबद्ध बैठकर नवकार मंत्र का जाप कर विश्वशांति, करुणा और एकता का संदेश दिया। यह आयोजन विश्व के 108 देशों और भारत के 6000 से अधिक स्थलों पर एक साथ, एक समय पर आयोजित हुआ जिसमें करोड़ों श्रद्धालुओं ने नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया। नवकार महामंत्र का जाप बुधवार को एक मंच, एक मंत्र, एक भावना, एक श्रद्धा के साथ समग्र विश्व में गूंजा और इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ पर दर्ज हो गया।

फ्रीडम पार्क में हुआ मुख्य आयोजन

जीतो के साउथ व नार्थ चैप्टर के प्रयासों से शहर में विराजित विभिन्न साधु साध्वियों के सान्निध्य में मुख्य रूप से फ्रीडम पार्क में संतों के मंगलाचरण के साथ जाप अनुष्ठान प्रारंभ हुआ। इसके साथ ही शहर भर में वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला व संभवनाथ जैन मंदिर, भगवान महावीर रोड स्थित गणेश बाग, यशवंतपुर स्थित मेवाड़ भवन, जयनगर स्थित धर्मनाथ जैन मंदिर, हनुमंतनगर स्थित वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ भवन, राजराजेश्वरीनगर स्थित तेरापंथ भवन, विल्सन गार्डन स्थित खंडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर, विजयनगर स्थित अर्हम भवन, व्हाइटफील्ड स्थित ज्ञानोदय दिगम्बर मंदिर, सेपिंग्स रोड स्थित हीराबाग स्थानक, बसवनगुड़ी स्थित विमलनाथ जैन मंदिर के अलावा अन्य 30 धार्मिक स्थलों पर आसपास के लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर विभिन्न साधु साध्वियों के सान्निध्य में सुबह %.30 बजे से नवकार मंत्र का जाप किया।

दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित मुख्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और नवकार मंत्र का जाप किया। उन्होंने इसे विश्वशांति और आध्यात्मिक एकता का प्रेरक प्रयास बताते हुए सभी देशवासियों को संबोधित करते हुए जैन धर्म के बारे में बताया व नवकार की महिमा का वर्णन किया। प्रधानमंत्री के संबोधन का देश भर में लगभग 6 हजार से अधिक जाप केन्द्रों पर सीधा प्रसारण किया गया।

विशेष डाक टिकट का हुआ विमोचन

इस आयोजन को स्मरणीय और ऐतिहासिक बनाने के लिए नवकार दिवस पर बेंगलूरु के चीफ पोस्ट मास्टर जनरल ऑफ़ कर्नाटक एस. राजेंद्र कुमार, दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य महेन्द्र सिंघी, महावीर कुंदुर, डीआरयूसीसी सदस्य अश्विन सेमलानी सहित साउथ और नार्थ चैप्टर के चेयरमैन व अन्य पदाधिकारियों ने नवकार मंत्र शीर्षक से एक विशेष डाक टिकट का विमोचन किया। इस मौके पर जैन धर्म के विभिन्न सम्प्रदायों के प्रतिनिधियों व सभा संस्था के प्रमुख पदाधिकारियों ने जीतो के पदाधिकारियों के साथ मिलकर दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

प्रमुख संयोजक और पदाधिकारियों की रही अहम भूमिका

आयोजन की सफलता में जीतो के सभी प्रबंध समिति, लेडीज़ विंग, यूथ विंग के पदाधिकारियों एवं समाज के विभिन्न संघ-संस्थाओं के प्रतिनिधियों का विशेष सहयोग रहा। बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया, साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यक्रम में बारे में जानकारी दी। नार्थ चैप्टर के महामंत्री विजय सिंघवी एवं साउथ चैप्टर के महामंत्री नितिन लूनिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संयोजक महेन्द्र रांका, दिनेश खिंवेसरा, सहसंयोजक प्रवीण चौहान, महावीर दांतेवाड़िया के पूरे समर्पण से आयोजन की व्यवस्थाएं संभाली। कार्यक्रम का संचालन मीठालाल पावेचा ने किया। कार्यक्रम के अंत में संतों ने मंगलपाठ प्रदान किया। जीतो की ओर से मुख्य सौजन्यकर्ता माइक्रो प्रिंट और पैक कम्पनी व सहसौजन्यकर्ता वन सोर्स व एमके सिल्क एंड सारीज प्रतिष्ठान के प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया।

जीतो ने भारत सरकार से की अपील

इस अवसर पर जीतो द्वारा भारत सरकार से 9 अप्रैल को नवकार दिवस' के रूप में आधिकारिक मान्यता देने की अपील की गई, जिससे यह दिन सदैव आध्यात्मिक ऊर्जा, शांति और एकता का प्रतीक बना रहे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अलसूर महावीर भवन

बेंगलूरु के अलसूर श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ में करीब 400 से अधिक श्रद्धालुओं ने सामायिक के साथ नवकार मंत्र का जाप किया। आलेख मुनिजी ने मंगल पाठ प्रदान किया। संघ के मंत्री अभयकुमार बांठिया, अध्यक्ष धनपतराज बोहरा, जैन युवक संघ, महिला मंडल एवं नवकार बहु मंडल ने व्यवस्था में सहयोग दिया।

मंजूनाथनगर जैन भवन

सकल जैन संघ, मंजूनाथनगर-शिवनगर के जैन भवन(उत्तम अंकित विला) में बड़ी संख्या में उपस्थित मूर्तिपूजक, स्थानकवासी, तेरापंथी एवं दिगम्बर समुदाय के लोगों ने एक साथ नवकार मंत्र का जाप किया। जाप के पश्चात उत्तमचन्द पुष्पादेवी आच्छा एवं राजेशकुमार हितेनकुमार कोठारी परिवार ने प्रभावना वितरित की।

टी.दासरहल्ली तेरापंथ सभा

स्थानीय टी.दासरहल्ली तेरापंथ सभा भवन में नवकार महामंत्र का जाप किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने एकजुट होकर आत्मिक शांति, साधना एवं विश्व के कल्याण की प्रार्थना के उद्देश्य से नवकार मंत्र का जाप किया

हनुमंतनगर जैन स्थानक

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा आयोजित बाल संस्कार शिविर में शामिल बालक बालिकाओं ने धार्मिक शिक्षक संजयकुमार कचोलिया, शिक्षिका वंदना चौपड़ा आदि के नेतृत्व में सामूहिक रूप से महामंत्र का जाप किया। युवक मंडल के अध्यक्ष शीतल रांका, मंत्री किशोर बाफना, जैन गुरुकुल हनुमंतनगर के चेयरमैन लतेश लोढ़ा, संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी, संघ के मंत्री सुरेश धोका ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

तेरापंथ भवन आरआर नगर

विश्व शांति एवं कल्याण के लिए बुधवार को सुबह राजराजेश्वरीनगर स्थित तेरापंथ भवन में करीब 325 लोगों ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस के उपलक्ष्य में सामूहिक रूप से नवकार मंत्र का जाप किया। इस मौके पर नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को भी श्रवण किया। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़, उपाध्यक्ष सरोज बैद, मंत्री गुलाब बाँठिया आदि ने व्यवस्था संभाली।

हीराबाग

बेंगलूरु के सेपिंग्स रोड स्थित हीराबाग जैन स्थानक में साध्वी डॉ मेघाश्रीजी व समीक्षाजी के पावन सान्निध्य में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया। संघ के अध्यक्ष डॉ भीकमचन्द जैन, सचिव अशोक बांठिया, दिनेश लोढ़ा, सुरेश सिंघवी आदि ने व्यवस्था संभाली। हस्तीमल निर्मलकुमार दलाल परिवार की ओर से प्रभावना प्रदान की गई।

संजयनगर

शहर के संजयनगर जैन संघ के स्थानक भवन में विश्व नवकार महामंत्र दिवस के उपलक्ष्य में 120 श्रावक श्राविकाओं ने सामूहिक रूप से नवकार मंत्र का जाप किया। जाप में निर्मल मोगरा, माणक गन्ना, रमेश नंदावत, सुरेश बडोला, अध्यक्ष अनिलकुमार गन्ना, मंत्री नीलेशकुमार बोहरा, जैन युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष विनोद नंदावत सहित आसपास क्षेत्र के अनेक सदस्य उपस्थित थे। संघ की ओर से प्रभावना प्रदान की गई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

जैन युवा संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव के वर्धमानप्रसादी के लाभार्थी वैष्णोदेवी ग्रुप के मनोहरलाल विमल कटारिया परिवार को आमंत्रण देकर कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया। संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

मनोजकुमार ने संभाला क्षेत्रीय निदेशक का कार्यभार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मनोजकुमार ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआई) क्षेत्रीय कार्यालय, कर्नाटक में क्षेत्रीय निदेशक का कार्यभार ग्रहण किया। मनोजकुमार इससे पहले उप क्षेत्रीय कार्यालय विशाखापट्टनम के प्रभारी अधिकारी थे। संपूर्ण कर्नाटक राज्य में ईएसआई की सेवाएं विस्तारित की गई हैं तथा उनका उचित कार्यान्वयन का उत्तरदायित्व अब मनोजकुमार संभालेंगे।

स्वतंत्रता उद्यान

जीतो बेंगलूरु द्वारा बुधवार को स्वतंत्रता उद्यान में विश्व कल्याण के लिए आयोजित नवकार महामंत्र सामूहिक जाप कार्यक्रम में जीतो टीम के साथ शामिल होते हुए मारुति मेडिकल के महेंद्र मुणोत।

शांतिनगर

बेंगलूरु के शांतिनगर में विश्व नवकार महामंत्र दिवस के मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक श्राविकाओं ने सामूहिक रूप से नवकार महामंत्र का जाप किया। इस अवसर पर मुमुक्षु दिलीप धोका ने भी उपस्थित होकर नवकार मंत्र जाप में भाग लिया।

नौकरशाहों की याचिका पर न्यायालय ने कर्नाटक ट्रस्ट को नोटिस जारी किया

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कर्नाटक के शीर्ष नौकरशाहों ने 2017 के एक फैसले का कथित रूप से पालन न करने के लिए उच्च न्यायालय में उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही पर रोक लगाने की अपील करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया है। इस मामले में उन्हें बेंगलूरु के बाहरी इलाके में स्थित जमनालाल बजाज सेवा ट्रस्ट को 350 एकड़ से अधिक जमीन वापस करने को कहा गया था। न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने बुधवार को कर्नाटक के प्रधान सचिव मंजूनाथ प्रसाद और अन्य आठ नौकरशाहों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर गौर किया कि राज्य सरकार द्वारा पहले ही अनुपालन हलफनामा दायर किया जा चुका है और फिर भी अधिकारियों को अवमानना का सामना करना पड़ रहा है। शीर्ष अदालत ने नौकरशाहों की याचिका पर संज्ञान लिया और ट्रस्ट को नोटिस जारी किया जिसकी भूमि को राज्य के भूमि प्राधिकरणों ने इस आधार पर अपने अधीन ले लिया था कि उसके पास कर्नाटक भूमि सुधार अधिनियम, 1961 के तहत अतिरिक्त भूमि है।

▪ चैत्र शुक्ल - 13 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 252 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 10-04-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 अन्नदाता किसान का समान और आर्थिक सुरक्षा हमारा ध्येय : भजनलाल शर्मा
6 सावधान! तेज धूप एवं बढ़ती गर्मी से कहीं लू न लग जाए
7 देश में अशिक्षा है सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा : संजना सांघी

फर्स्ट टेक

भारत ने म्यांमार को पहुंचायी 656 टन सहायता सामग्री

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत में म्यांमार में विनाशकारी भूकंप से हुए नुकसान के बाद सहायता के लिए चलाये गये ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत अब तक 656 टन मानवीय सहायता एवं आपदा राहत सामग्री पहुंचायी है तथा डेढ़ हजार से अधिक लोगों का उपचार सुनिश्चित किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने आपदा में प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में म्यांमार में अब तक 656 मीट्रिक टन से अधिक मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री पहुंचाई है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जय लोकतंत्र

जो लोकसभा में अनफिट थे,
वे राज्यसभा के हितकारी।
जो आलोचक थे प्रबल प्रखर,
वे चाटुकार अब मनुहारी।
जन-भीड़ हो गई भेड़ सदृश,
जाए पीछे मारी-मारी।
हो गए व्यक्ति जन से महान,
जय लोकतंत्र की बलिहारी।।

भारत की प्रगति से दूसरों की प्रगति के रास्ते खुलते हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत परस्पर सहयोग के दर्शन के साथ कार्य करता है और अपने विकास के साथ दूसरों के विकास के द्वार भी खोलता है। इसी कारण भारत के प्रति दुनिया का विश्वास आज और मजबूत हुआ है। मोदी ने कहा कि भारत कि यह विशेषता है कि इस देश की प्रगति से दूसरों की भी प्रगति के रास्ते खुलते हैं। वह राजधानी में जैन धर्मावलम्बियों के 'नवकार महामंत्र दिवस' को संबोधित कर रहे थे।

विज्ञान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जैन धर्म की शिक्षाओं से प्रेरणा ले कर व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन का संचालन करने में सुंदरता की व्याख्या करते हुए पानी की बचत, और स्वच्छता जैसे नौ संकल्प कराए। नवकार महामंत्र दिवस आध्यात्मिक सद्भाव और नैतिक चेतना का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। इसमें जैन धर्म में सबसे अधिक पूजनीय और सार्वभौमिक मंत्र- नवकार महामंत्र के सामूहिक जाप के माध्यम से लोगों की एकजुटता की प्रार्थना की जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज भारत पर दुनिया का विश्वास और भी गहरा हो रहा है। हमारे प्रयास, हमारे परिणाम, अपने आप में अब प्रेरणा बन रहे हैं। वैश्विक संस्थाएं भारत की ओर देख रही हैं। उन्होंने कहा , ...क्योंकि भारत आगे बढ़ा है। और जब हम आगे बढ़ते हैं, ये भारत की विशेषता है, जब भारत आगे बढ़ता है, तो दूसरों के लिए रास्ते खुलते हैं। यही तो जैन धर्म की भावना है।

'परस्परोपग्रह जीवानाम्!' के दर्शन का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा , जीवन आपसी सहयोग से ही चलता है। इसी सोच के कारण भारत से दुनिया की अपेक्षाएँ भी बढ़ी हैं। और हम भी अपने प्रयास तेज कर चुके हैं। उन्होंने जलवायु परिवर्तन को दुनिया के लिए बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि इस संकट का समाधान जैन धर्म के 'अपरिग्रह'के सिद्धांत में है। उन्होंने जलवायु संकट से निपटने और स्वस्थ जीवन शैली के लिए भारत द्वारा विश्व के समक्ष प्रस्तुत 'मिशन लाइफ' का जिक्र किया जो पर्यावरण की रक्षा करने वाली जीवन शैली पर केन्द्रित है और जैन समाज तो सदियों से यही जीता आया है। सादगी, संयम और स्वस्थ मार्ग आपके जीवन के मूल हैं। जैन धर्म में कहा गया है- अपरिग्रह, अब समय हैइन्हें जन-जन तक पहुँचाने का। मोदी ने इस अवसर पर लोगों के लिए रोजमर्रा के जीवन के लिए नौ संकल्प कराए जिनमें पानी बचाने, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छता मिशन, वोकल फॉर लोकल (स्थानीय वस्तुओं की खरीद को प्राथमिकता), देश-दर्शन, प्राकृतिक खेती, स्वच्छ जीवन (खाने में तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत कटौती), दिन-चर्चा में योग और खेल-कूद तथा गरीब की सहायता का संकल्प है।

उन्होंने इसी संदर्भ में भारतीय संस्कृति में नौ अंक के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि जैन धर्म में नवकार महामंत्र, नौ तत्व, नौ पुण्य और अन्य परंपराओं में, नौ निधि, नवद्वार, नवग्रह, नवदुर्गा, नवधा भक्ति, नौ, हर जगह है।

आरबीआई ने लगातार दूसरी बार रेपो दर में कटौती की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के इस कदम से आवास, वाहन और अन्य कर्ज सस्ते हो जाने की उम्मीद है।
- ब्याज दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर छह प्रतिशत कर दिया
- आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने अमेरिका के जवाबी शुल्क को लेकर व्याप्त चिंता के बीच अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के मकसद से बुधवार को लगातार दूसरी बार प्रमुख ब्याज दर रेपो को 0.25 प्रतिशत घटाकर छह प्रतिशत कर दिया। साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपने रुख को 'तटस्थ' से 'उदार' करते हुए आने वाले समय में ब्याज दर में एक और कटौती का संकेत दिया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के इस कदम से आवास, वाहन और अन्य कर्ज सस्ते हो जाने की उम्मीद है।

आरबीआई ने इसके साथ वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को भी 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है।

चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा की जानकारी देते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, ''छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती कर छह प्रतिशत करने निर्णय किया है।'' एमपीसी में तीन सदस्य केंद्रीय बैंक से, जबकि तीन सदस्य बाहर से होते हैं। मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई ने अपने नीतिगत रुख को 'तटस्थ' से बदलकर 'उदार' कर दिया है। इसका मतलब है कि आरबीआई आने वाले समय में जरूरत पड़ने पर नीतिगत दर में और कटौती कर सकता है। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिये इस दर का उपयोग करता है।

नीतिगत ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत कमी करने का मतलब है कि रेपो दर जैसे बाह्य मानकों पर आधारित कर्ज पर ब्याज दर (ईबीएलआर) में कमी आएगी। अगर बैंक पूरी तरह से कर्जदाताओं को इस कटौती का लाभ देते हैं तो आवास, वाहन और व्यक्तिगत कर्ज की मासिक किस्त 0.25 प्रतिशत कम हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने इससे पहले इस साल फरवरी में मौद्रिक नीति समीक्षा में रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर 6.25 प्रतिशत किया था। यह मई, 2020 के बाद पहली कटौती और ढाई साल के बाद पहला संशोधन था।

कांग्रेस को नई दिशा देने के लिए गुजरात अधिवेशन में तीन प्रस्ताव पारित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/एजेन्सी। गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में संपन्न दो दिवसीय अधिवेशन के अंतिम दिन आज तीन प्रस्ताव पारित किये गए जिनका मक़सद कांग्रेस को जुझारू रूप से काम करते हुए तानाशाही के खिलाफ लड़ने, गुजरात की सत्ता में कांग्रेस की वापसी के लिए जनता से जुड़े मुद्दों को आक्रामकता से उठाने और सरदार पटेल तथा गांधी की विरासत हड़पने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मंसूबों पर पानी फेरना है।

सरदार पटेल और पंडित नेहरू के बीच टकराव के मुद्दे को प्रचारित करने की भाजपा की प्रयासों को रोकने के लिए पार्टी ने अधिवेशन की पहले दिन अपनी सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में प्रस्ताव को अनुमोदित कर दिया था और आज उसे अधिवेशन में पारित कर दिया गया। न्यायपथ प्रस्ताव को कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने अधिवेशन में रखा जिसका पार्टी नेता शशि थरूर ने समर्थन किया। इस पर 30 से ज्यादा सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किये। गुजरात में कांग्रेस की वापसी से संबंधित विधेयक गुजरात विधानसभा के सदस्य जिग्नेश मेवाणी ने पेश किया जिसके समर्थन में 20 से अधिक सदस्यों ने अपने विचार रखें। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वक्तव्य से पहले इन तीनों प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया।

कांग्रेस ने गुजरात अधिवेशन में महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने की शताब्दी वर्ष में तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 में जयंती वर्ष में न्यायपथ प्रस्ताव पारित किया है। न्याय पद प्रस्ताव में कहा गया है कि जब संगठन एकजुट होकर काम करता है तो क्रूर से क्रूर शासक को भी सत्ता से बेदखल कर देता है। इस प्रस्ताव में संकल्प लिया गया है कि कांग्रेस एकजुट होकर सत्ता धारी भाजपा का मुकाबला करेगी।

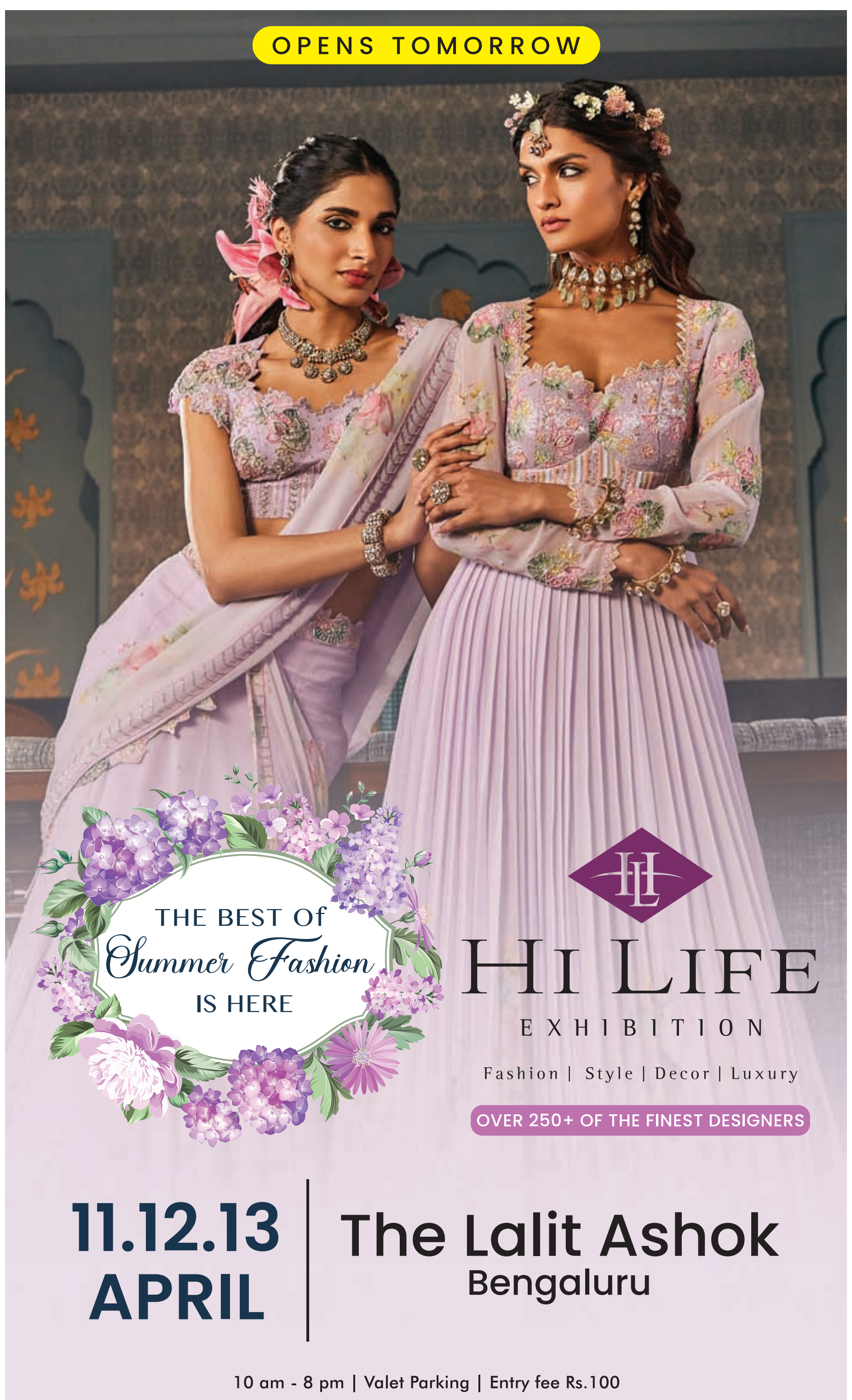

श्री हनुमान सेवा समिति, बेंगलूरु
30वीं प्रस्तुति
श्री हनुमान जन्मोत्सव
शनिवार 12 अप्रैल 2025
GODWAD BHAWAN
Behind Poornima Theater, Near Jain College, Lalbagh Road Cross, Bangalore

हनुमान जन्मोत्सव का मंगल कार्यक्रम
अपराह्न 2.30 बजे संगीतमय सुन्दरकांड पाठ
जसवंतगढ़ नागरिक परिषद प्रमुख श्री हरिकिशन सारड़ा
सायं 5.30 बजे : भजन श्री प्रभात करनाणी द्वारा
सायं 7.00 बजे : भजन श्री प्रकाश मिश्रा द्वारा
रात्रि 9.30 बजे : मंगल आरती एवं महाप्रसाद

विशेष आकर्षण - श्री हनुमानजी महाराज की मनमोहक झांकी
सभी श्रद्धालुगण सादर सपरिवार, मित्रों सहित आमंत्रित हैं
अमृततुल्य महाप्रसाद की व्यवस्था रखी गई हैं, कृपया अवश्य ग्रहण करें।

Late Shri Shyam Agarwal
Founder
Mor Charitable Trust
Sandeep Agarwal Managing Trustee
MOR CHARITABLE TRUST
836, 14th Main 3rd Block, Kormangala, Bengaluru - 560 034

समस्त जैन समाज का विनम्र अनुरोध
श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624 वे जन्म कल्याणक महोत्सव
सभी संघ-संस्थाओं से विशेष निवेदन है कि आज दोपहर तक अन्य कोई क्षेत्रिय कार्यक्रम न रखते हुए इस भव्य समारोह में पधारकर जैन एकता एवं आपसी सद्भाव का परिचय देवें।
आयोजक : जैन युवा संगठन (पंजी.), बेंगलोर | जैन महावीर मुणोत अध्यक्ष | जैन नीरज कटारिया मंत्री
WE EXPRESS OUR DEEPEST GRATITUDE TO BBMP & POLICE DEPARTMENTS FOR GRANTING US PERMISSION FOR CELEBRATIONS OF BHAGWAN MAHAVEER JANM KALYANAK MAHOTSAV
गुरुवार, दि.10-4-2025 को अपने-अपने प्रतिष्ठान बन्द रखें।
शोभायात्रा : प्रात: 8.01 बजे (टाऊन हाल से) ● मुख्य कार्यक्रम : प्रात: 10.15 बजे (फ्रीडम पार्क)
महामांगलिक : मध्याह्न 1.21 बजे
FREE ENTRY
सायं : 6.30 बजे से
सायंकालीन भक्ति संध्या कार्यक्रम
आदिनाथ चरित्र की भव्य प्रस्तुति भक्तामर स्तोत्र - एक दिव्य स्तुति
बेंगलोर में प्रथम बार 75 कलाकारों द्वारा ज्ञानवर्धक नाटिका एवं रूपक द्वारा भावविभोर कर देने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुति
कुण्डलपुर नगरी, फ्रीडम पार्क (पीपल्स प्लाजा), शेषाद्रि रोड, गांधीनगर, बैंगलोर - 09

अन्नदाता किसान का सम्मान और आर्थिक सुरक्षा हमारा ध्येय : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को श्रीगंगानगर स्थित नई धान मंडी में किसानों को विक्रय स्लिप प्रदान करते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों खरीद का शुभारंभ किया। शर्मा ने इस अवसर पर किसानों एवं व्यापारियों से संवाद करते हुए कहा कि अन्नदाता किसान को पूरा सम्मान और सुरक्षा के साथ ही उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाना हमारा ध्येय है। हमारी सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद का किसानों के बैंक खातों में सीधा भुगतान समय पर सुनिश्चित कर रही है। इसी दिशा में किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने वर्ष 2025-26 में सरसों के लिए एमएसपी 5 हजार 950 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है तथा इस साल 13 लाख 22 हजार मीट्रिक टन सरसों की खरीद का लक्ष्य रखा है। इसी तरह सरकार 5 हजार 650 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी के आधार पर 5 लाख 46 हजार मीट्रिक टन चना की खरीद करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2022-23 में सरसों का एमएसपी 5 हजार 50 रुपये था, जिसमें हमारी सरकार ने 900 रुपये तक की बढ़ोत्तरी की है।

साथ ही एमएसपी पर खरीद के लिए प्रति किसान 25 क्विंटल की सीमा को बढ़ाकर 40 क्विंटल किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार ने सवा साल के समय में अब तक 4 लाख 85 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की है जबकि पिछली सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 5 लाख 53 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की थी।

हमारी सरकार ने मूंगफली के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 5 हजार 850 रुपये से बढ़ाकर 6 हजार 783 रुपये प्रति क्विंटल किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार किसानों की समस्याओं को दूर करते हुए उनकी समृद्धि के लिए कार्य कर रही है।

कांग्रेस ने किया किसानों और युवाओं के साथ विश्वासघात : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार का संकल्प है कि किसानों के जीवन में समृद्धि लाने के लिए उसकी उपज का उचित मूल्य मिले और वह किसानों की भलाई और खेती की मजबूती के लिए निरन्तर काम कर रही है तथा प्रदेश में पानी की समस्या को हल करने के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाने सहित संकल्प पत्र के सभी वादों को पूरा कर रही हैं जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय किसानों से झूठे वादे किए गए और युवाओं के साथ भी विश्वासघात किया गया।

शर्मा अपनी हनुमानगढ़ एवं गंगानगर की दो दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन बुधवार को गंगानगर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न संवाद कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि अन्नदाता को उसकी उपज का उचित मूल्य मिले, जिससे उनके जीवन में समृद्धि आए। हमारा लक्ष्य है कि फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद और उसका समय पर भुगतान हो।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के लिए सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाना प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। हमारी सरकार किसानों की भलाई और खेती की मजबूती के लिए निरन्तर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि गंगानगर की भूमि किसानों की भूमि है। यहां के किन्नू का स्वाद पूरी दुनिया को भाता है।

रामदेवरा गोडावण संरक्षण केन्द्र पर पहला चूजा ने लिया जन्म

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले के रामदेवरा में स्थापित ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (गोडावण) के संरक्षण एवं कंजरवेशन केन्द्र पर कृत्रिम प्रजनन से पहला चूजा ने जन्म लिया है। धरती पर तेजी से लुप्त हो रहे शेड्यूल फर्स्ट के वन्य जीव प्राणी दी ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण एवं आबादी बढ़ाने के लिए वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया एवं राज्य सरकार द्वारा बस्टर्ड प्रोग्राम के तहत रामदेवरा में वर्ष 2022 में यह केंद्र सथापित किया था। इस केन्द्र पर सोमवार गोडावण पहले चूजे ने जन्म लिया।

इसको मिलाकर केपेटिव ब्रीडिंग से जन्मे गोडावण का आंकड़ा 51 पहुंच गया है तथा 2025 में अभी तक यह सातवां चूजा पैदा हुआ है।

अनंतपूर ॥ आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: डीएलएफ साइबर पार्क टॉवर-बी, 9वीं मंजिल, उद्योग विहार, फेज-3, सेक्टर 20, गुरुग्राम, हरियाणा
CIN: U42201DL2025GOI440759 | फोन नं. 0124-4562000 |

सार्वजनिक सूचना

अनंतपूर ॥ आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय डीएलएफ साइबर पार्क टॉवर-बी, 9वीं मंजिल, उद्योग विहार, फेज-3, सेक्टर 20, गुरुग्राम-122008 हरियाणा, भारत में है, भारत सरकार से अनंतपूर ॥ आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड को विद्युत के ट्रांसमिशन के लिए विद्युत लाइनें बिछाने या विद्युत संयंत्र लगाने के लिए या टेलीफोनिक या टेलीग्राफिक संचारों के उद्देश्य से, जो कि कार्यों के उपयुक्त समन्वय के लिए आवश्यक है, विद्युत अधिनियम, 2003 के धारा 164 के अंतर्गत वे सभी शक्तियाँ प्रदान करने हेतु आवेदन करना चाहता है, जो शक्तियाँ टेलीग्राफ प्राधिकरण शासन द्वारा टेलीग्राफ की स्थापना या प्रबंधन करने या स्थापित एवं प्रबंधित किए जाने के उद्देश्य से टेलीग्राफ लाइनें बिछाने और खंभों को लगाने के संबंध में भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम 1885 के अंतर्गत रखता है और उसके द्वारा निम्नांकित ट्रांसमिशन योजनाओं के लिए सर्वेक्षण, निर्माण, संस्थापन, निरीक्षण, स्तंभन एवं अन्य कार्य तथा आगे प्रवर्तन, परिचालन, रखरखाव एवं अन्य कार्य किए जाएंगे-

ट्रांसमिशन योजना का नाम: "अनंतपूर-॥ आरईजेड-फेस-। के एकीकरण हेतु ट्रांसमिशन सिस्टम (4.5 जीडब्ल्यु के लिए)"

योजना के अंतर्गत शामिल कार्य :

अ. क्र.	ट्रांसमिशन योजना का दायरा
1	कर्नूलु, आंध्र प्रदेश निकट उपयुक्त स्थान पर 4X1500 एमवीए, 765/400 और 6X500 एमवीए, 400/220 केवी अनंतपूरम-॥ पूलिंग स्टेशन की स्थापना, जिसके साथ अनंतपूरम-॥ पीएस में 2X330 एमवीएआर (765 केवी) बस रिएक्टरों की स्थापना, 400 केवी लेवल पर प्रत्येक 4500 एमवीए के दो (2) सेक्शनों का प्रावधान
2	अनंतपूरम-॥-दावणगेरे 765 केवी डी/सी लाइन के साथ 240 एमवीएआर एसएलआर (कंवर्टिबल) अनंतपूरम-॥ सिरे दोनों सर्किटों पर • 765 केवी लाइन बे - 2 नंबर (दावणगेरे पीएस पर) • 765 केवी, 240 एमवीएआर एसएलआर अनंतपूरम-॥ पीएस पर-2 नंबर (7X80 एमवीएआर 1 स्विचेबल स्पेयर यूनिट सहित)
3	अनंतपूरम-॥-कड़पा 765 केवी डी/सी लाइन दोनों सर्किटों पर अनंतपूरम-॥ सिरे पर 330 एमवीएआर एसएलआर (कंवर्टिबल) के साथ • 765 केवी लाइन बे - 2 नंबर (कड़पा पर) • अनंतपूरम-॥ पीएस पर 765 केवी, 330 एमवीएआर एसएलआर - 2 नंबर (7X110 एमवीएआर, बस रिएक्टर और लाइन रिएक्टर, दोनों के लिए 1 स्विचेबल स्पेयर यूनिट सहित)
4	अनंतपूरम-॥ पीएस पर +_ 300 एमवीएआर स्टेटकॉम, 2X125 एमवीएआर एमएसआर के साथ • 400 केवी बे - 1 नंबर

नोट :
(1) पॉवरग्रिड द्वारा 2 नंबर 765 केवी जीआईएस लाइन बे कड़पा में अनंतपूरम-॥ पीएस-कड़पा 765 केवी डी/सी लाइन के टर्मिनेशन के लिए उपलब्ध करवया जाएगा।
(2) दावनगेरे पीएस के डेवलपर के द्वारा 2 नंबर 765 केवी लाइन बे दावनगेरे पीएस के अनंतपूरम-॥ पीएस-दावनगेरे 765 केवी डी/सी लाइन के टर्मिनेशन के लिए स्थान उपलब्ध करवाया जाएगा।

उपरोक्त ट्रांसमिशन परियोजना को भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा अपने पत्र संख्या 25-17/24/2025-पीजी, दिनांकित 21.02.2025 के माध्यम से विद्युत अधिनियम, 2003 के अनुच्छेद 68(1) के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई है।

(I) अनंतपूरम-॥-दावणगेरे 765 केवी डी/सी लाइन

क्रमांक	गाँवो के नाम	तहसील	जिला	राज्य/संघ राज्य/राज्य क्षेत्र
1	सोमनहल्ली, संते मुद्दपुर, रास्ते माकुंटे, कटिटगेहल्ली, अरसिनगुंडी, लंबानिहट्टी, कोराटिकेरे, मडगिनकेरे, महाराजरहट्टी, बिस्टुवल्ली, कस्तूरीपुर, व्यासगोंडनहल्ली, बग्गेनहल्ली, रास्ते मचीकेरे, बुल्लनहल्ली, गोपगोंडनहल्ली, लिंगन्ननहल्ली, तिरुपति तिम्मप्पन गुड़ी, मलम्मनहल्ली, जगलूर, गोल्लरहट्टी, मरेनहल्ली, बोम्मक्कनहल्ली, कामगेटनहल्ली, ब्रह्मसमुंद्र, उद्दुगट्ट, तिम्मलपुर, सिद्दम्मनहल्ली, मुडलमचिकेरे, हिरे मल्लनहोले, बंगारक्कनगुड्ड, कोरसरहट्टी, हुच्चवनहल्ली, काननकट्टे, मदमुट्टेनहल्ली, कॉर्टिकेरे, व्यासगोंडनहल्ली, बैरनायकनहल्ली, रास्तेमचिकेरे, कुल्लोबनहल्ली, गिड्डक्कनकट्टे, जगलूर रूरल, दोनेहल्ली, कामगट्टेनहल्ली, ब्रह्मसमुद्र, उद्दगट्ट, रेड्डीहल्ली, गोगुड्डू, थिम्मलपुर, बडबडनहल्ली, मेडलमचिकेरे, हिरेमल्लनहोल, सिद्दीहल्ली, हलेहल्ली, तैटोन, दिब्बडहल्ली, चिक्कमल्लनहोल, यारेहल्ली, हुचव्वनहल्ली, मदमुथनहल्ली, मूगिनचिक्केनहल्ली, अनबुर, महाराजनहट्टी, गोपगोंडनहल्ली, होसहट्टी, लिंगन्नहल्ली, लिंगन्नहल्ली गोल्लरहट्टी, कामगट्टेनहल्ली, एच. कोरचरहट्टी, येरेहल्ली, बर्मसमुद्र, जगलूर, संतेमुद्दपुर, रास्तेमकुंटे, अरिशिनगुंडी, वैश्यगोंडनहल्ली, जगलूरु, तिम्लपुर, हिरेमल्लनहुले, हुच्चव्वनहल्ली	जगलूर	दावणगेरे	कर्नाटक
2	कनमडुगु, गोल्लरहट्टी, आलूरु, मालूरु, कांचमलनेहल्ली, पिचरहट्टी, वद्दारहट्टी, येमबाली, सकलपुर, लोकिकेरे, पुजारीहल्ली, कन्नबोरनहट्टी, तांडहट्टी, जुम्मोबनहल्ली, हुडेम, तायकहल्ली, तम्मय्यनगुड्ड, जोगिदरीहट्टी, कमाटी, कर्नरहट्टी, ओलशी, पेद्द वंक, मीनकेरे, चिरतगुंडु, कोम्बेहल्ली, गड्डबोरय्यडोड्डी, नुंकनहल्ली, मारम्मनहल्ली, उराडिहल्ली, आलूर, हुलिकेरे, केंचमल्लनहल्ली, कल्लहल्ली, तिप्पेहल्ली, पूजारहल्ली, गुंडुमुनुगु, कमाटी, हुर्लिहलु, मीनकेरी, चित्रतगुंडु, कोम्बिहल्ली, हरुडीहल्ली, तायकनहल्ली, तम्मय्यन गुड्ड, वलसे चिरतगुंडु, चिरतगुंडु, केंचमल्लनहल्ली, पुजारहल्ली, मीनकेरे	कुडलिगी	विजयनगर	कर्नाटक
3	चिक्कोबनहल्ली, देवरहट्टी, येरपोटा जोगिहल्लीहट्टी, येरपोटा जोगिहल्ली, सिद्दय्यनकोटे, येर्रेनहल्ली, हुग्गिनिगदोड्डी, माताड जोगिहल्ली, मेसनायकरहट्टी, तुप्पादक्कनहल्ली, हनगल, पुजारीहल्ली, हलेकेरे, कोम्मनपट्टी, बुय्यनहट्टी, येरचिनहल्ली, बोम्मलिंगनहल्ली, जयंतीनगर, हिरेकेरेहल्ली, चिन्न हगारी आर या जनग हल्ल, चिक्केरहल्ली, अमकुंडी, बैरापुर, गुड्डदहल्ली, कतनाइकनहल्ली, केलगलहट्टी, मेगालहट्टी, हिरनगुड्ड, नागसमुद्र, सिद्दपुर, रोप्प, ताई मुद्दम्म गुड़ी, कड सिद्दापुर, ब्रह्मगिरी गुड्ड, होसकोटे, मचेनहल्ली, होसूरु, चिक्कुंटी, दोनेतम्मेनहल्ली, येरपोतजोगिहल्ली, सिद्दैयनकोटे, अयनहल्ली, रायपुरा, महिमेनहट्टी, माटदजोगिहल्ली, रंगय्यहनदुर्गा, पुरबोरनहल्ली, येर्रजिन्नेनहल्ली, तलवरहल्ली, भत्रहल्ली, ओब्लापुर, बैरापुर, मोलकाल्मूरु, येरपोतजोगिहल्ली, सिद्दियनकोटे, केरे, सुलेनहल्ली, ओबलपुर, हुच्चंगिदुर्ग, ब्रह्मगिरि बेट्ट, रामसागर, गौरसमुद्र, हेरुरू, यरपोतजोगिहल्ली, बैरापुरा, कतनायकनहल्ली	मोलकाइमुर (मोलकइमुरु)	चित्रदुर्ग	कर्नाटक
4	मेचिरी, पल्लेपल्ली, मल्लापुरम्, चाडम्, मेचिरी, मेचिरी टैंक, गुंड्ल	रायदुर्ग	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
5	कल्यम्, मुरीडी, हिरदलप्पदोड्डी, हुलिकल, बदनहलु, कडलारु, कुडलूरु, मुद्दलपुरम्, दोड्डगट्ट, हनुमापुरम्, संजीवरायणकोट, गोडीसलपल्ली, तिम्मलपुरम्, कदलूर, हुलिकल, मुरडी, दोडगट्ट, कुडुलूर, बादनहल, मुरडी रैतु, ब्रह्मगिरी बेट्ट, एसआर कोट, गोडिसिलपल्ली, गोडसलपल्ली, तिम्मलापुरम, कुड्लूरु, बादनहलु आरएस, कडलूरु, डोडघट्ट, हनुमपुरम् रूरल	डी. हिर्चल (डंडिना हिरे हलु)	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
6	एलंजी, कृष्णापुर, उप्परहलु, लालबहादुरनगर, मैलापुरम्, कोलगनहल्ली, लिंगदहलु, श्रीरंगापुरम, कोब्बल वंक, श्रीधरघट्टू, सिंगनहल्ली, कानापुरम, वड्डे कोत्तूरु, मैलापुरम, जिंगेरे, श्रीधरगड्डु, उप्पराल, लाल बहादुर नगर	बोम्मनहल (बोम्मनहलु)	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
7	अंबापुरम, गनीगेरे, तुंगभद्र, गनीगेर, गोनेहल, जक्कलवाडिकि, आरबीके येर्रगुंट, येर्रगुंट	कानेकल (कानेकल्लू)	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश

(II) अनंतपूरम-॥-कडपा 765 केवी डी/सी लाइन

क्रमांक	गाँवो के नाम	तहसील	जिला	राज्य/संघ राज्य/राज्य क्षेत्र
1	तिम्मलपुरम	डी. हिर्चल (डंडिन हिरे हलु)	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
2	कोलगनहल्ली, लिंगदहलु, श्रीरंगापुरम्, कृष्णापुर, लालबहादुरनगर, उप्परहलु, श्रीधरघट्ट, गोनहलु, हरिजनवाड़, श्रीधरघट्टू, सिंगनहल्ली, गोनेहल, लाल बहादुर नगर, रंगपुरम कैंप, एलंजी, उप्प्राल, कोलगनहली, श्रीधरगड्डु, लालबहादुरनगर, श्रीधरघट्ट	बोम्मनहल (बोम्मनहलु)	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
3	अंबापुरम्, गनीगेरे, उदेगोलम, सीतारामनगर कैंप, कनेकल्लु ब्रह्मसमुदी, बिदुरुकुंटम्, मिनहल्ली, गरुड़चेडु, तुम्बीगनूरु, नागेपल्ली, निल्लुलेनी हनुमपुरम्, सोल्लापुरम्, गनीगेर, येर्रगुंट, बेन्निकल, ब्रह्मसमुद्रम, कनेकल, मीनहल्ली, बिदुरुकोंतम्, तुम्बिगनूर, एन हनुमपुरम्, हेन्नप्पथ, येर्रगुंट्ल, मारेम्पल्ली, एन. हनुमनपुरम	कानेकल (कानेकल्लू)	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
4	अमिड्याल, राकट्ला, राकट्ला टांड, पेद्दकावुकुंट्ल, चिन्नकावुकुंट्ल, तुम्मटपल्ली, अमिडाल, राकट्ला, पेद्दकोवुकुंट्ल, मैलारमपल्ले, श्रीरामुलु जमालपति, कौकुंट्ल	उरवकोंड	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
5	पाबर, इमामपुरम, हम्सपल्ली, उद्रिपिकोंड, जल्लिपल्ली, कोर्रकोडु, मुद्दलापुरम्, इप्पेरु, नागिरेड्डीपल्ली, अंतरागंगा, अरवकूरु, कम्मूरु, उदिरीपिकोंड, कालागल्ला, मारुत्ला, कुडैर, कमूरु, गोटुकूर, उदिरिपि कोंड, जेल्ली पल्ली, अंतगंगा	कुदैर (कुदेरु)	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
6	कोटंक, मोर्टड्डु, येर्रगुंटला, मर्ताड्डु	गार्लाडिन	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
7	ताटिचेर्ला, थाटिचेर्ला, कोडिमी, सोमनडोड्डी, नरसानायुनि कुंट, सोमलदोड्डी	अनंतपूर रूरल	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
8	रघुनाधपुरम, लोलूरु, अकुलेडू वंक, मदीरेपल्ली, अकुलेडु, लोलूर, चेन्नवरम्, नरसापुरम, ट्रैक्टर नगर	सिंगनमाल	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
9	कोत्तपल्ले, वडियमपेट, पोदराल्ला, रेगडीकोत्तूरु, तडकल एरु, न्यामपल्ले, चेदुल्ला, एर्रा वंक, गोविंदपल्ले, कोत्तचेडुल्ल, जंतुलूरु, बोड्गानडोड्डी, कोरापाडु, लिंगारेड्डीपल्ले, रेड्डीपल्ले, वेंकटापुरम्, चेन्नम्पल्ले, बोम्मलाटपल्ले, पोडराल्ल, जंथुलूर, सिद्दम्पेटा, चेन्नरायुनिपल्ले, बोडिगानिडोड्डी, कोंडकिंद अग्रहारम, वडिम्पेटा, बी. कोत्तपल्ली, जंथलूर, रेड्डीपल्ली, रोटरी पुरम्, नीलारेड्डीपल्ली, चेन्नम पल्ली, बोम्मलाट पल्ली	बुक्करायसमुद्रम	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
10	नरपाला, सुल्तानपेट, बोंदलेडु, डुगुमारी, नरसापुरम, रंगापुरम, जंगमरेड्डीपल्ले, गुगूडु, मुगतिम्मनपल्ले, चामलूरु, बोंदलवाड़, दुग्गुमर्री, दुगमर्री, थुम्पेरा, जंगम रेड्डी पल्ली, चिल्लवरी पल्ली, मुगेतिम्मम पल्ली, नरसापुरम	नर्पाला	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
11	मुदुगुपल्ले, एल्लुट्ला, मडुगुपल्ले, रंगराजुकुंट, कुम्मनमल, कोंडुगारिकुंट, कोत्तपल्ले, रंगनायकुनिपल्ले, चलवेमुल, चिंतलपल्ले, रंगमनायुनी पल्ली, तुरक वेरी पल्ली, ओबुलेसु कोना, तुम्बुरु कोना	पुतलूर (पुत्लुरु)	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
12	बोप्पेपल्ले, कूचिवारीपल्ले, वासपुरम्, बुक्कापुरम्, कोडवंड्लपल्ले, अच्चुतापुरम्, चिलमकूरु, वामी कोंड, कोडुमूर्ति, लिंगारेड्डीपल्ले, आरावीडु, चेन्नकेशवस्वामी टेंपल, चिंतकायमंड, मल्लगुंड्ल, गड्डमवारीपल्ले, दुग्गुपल्ले, पुलिवेंड्ल ब्रांच, कल्लूरु, वेन्नपूसपल्ले, वाय चिंतकायमंड, कोडुमूर्ति, येल्लनूरु, वेन्नपूरपल्ले, पातपल्ले, कुचिवारिपल्ली, वस्सापुरम्, अरयेडु, कोडवंड्लपल्ली, तिम्मम्पल्ली, दुग्गु पल्ले, वेन्नपूस पल्ले, वेंकटम् पल्ले, गड्डम्वारीपल्ली	येल्लनूर	अनंतपूर	आंध्र प्रदेश
13	छत्रम, सिम्हाद्रिपुरम, निदिवेलगाल, कासनुरु, अग्रहारम, हिमाकुंटा, अंकलम्मगुडुरु, कडपनगाय्यपल्ले, दुद्देकुंट, चिन्न कोंडापल्ले, रामगिरी, लोमडा, मोगमुरेरू आर, कोरगुंटपल्ले, कंबली, गुरजाल, हिमकुंट्ल, कसनूर, अंकलम्मगुदुर, बालापनूर, रावुलकोलनु, गुरजाला, सिम्हाद्री पुरम, अंकलम्म गुडुरु, डुड्डेकुंट्ल, कडपनगायपल्ली, रावुल कोलनु, कोरागुंट पल्ले, बुलाय पल्ले, मदुर, कम पल्ले, बोदिवारीपल्ली	सिम्हाद्रिपुरम	वायएसआर (वाय.एस.आर. कड़पा)	आंध्र प्रदेश
14	भद्रमपल्ले, बाचुपल्ले, कोत्तपल्ले, तोंडूर, इनगलूरु, आगडूरु, गंगादेवीपल्ले, येर कोंडा, उडवगंड्ल, पालूरु, संतकोवूरु, चेर्लोपल्ले, पोतुलपल्ले, गंगनपल्ले, बूचुपल्ले, थेल्लूर, इनगलूर, अगडूर, मल्लेला, पालूर, संतकोवूर, भद्रम् पल्ले, बी. कोत्त पल्ली, बूचुपल्ली, कोरवानी पल्ली, जलापर्ती, कन्याकला चेलेमा, पालूरु शिवालयम, यादवकुंट, एस. चेर्लोपल्ली, पोतलपल्ली, गंगनपल्ली, गंगादेवी पल्ली, गंगनपल्ली चेरुवु, गंगादम् पल्ली, गंगनपल्ली गंगम्म	थांडूर (थोंदुर)	वायएसआर (वाय.एस.आर. कड़पा)	आंध्र प्रदेश
15	सोम्पल्ली, उप्पलूर, कोलवली, सोम्पल्ली, आकुतोटपल्ली	मुद्दनूर	वायएसआर (वाय.एस.आर. कड़पा)	आंध्र प्रदेश
16	नल्लचेरुवुपल्ले, नारेपल्ली	वेमुला	वायएसआर (वाय.एस.आर. कड़पा)	आंध्र प्रदेश
17	रामिरेड्डीपल्ली, रामी रेड्डी पल्ली	वेम्पाल्ले	वायएसआर (वाय.एस.आर. कड़पा)	आंध्र प्रदेश
18	अडविचेर्लोपल्ले, सर्वराजुपेट, बुसिरेड्डीपल्ली, पसिन्रेड्डीपल्ली, गंगीरेड्डीपल्ले, संगालपल्ले, येर्रावुलपल्ले, गोनुमाकुलपल्ले, विरपनायनिपल्ले, मोगमूर एरु, एनिमल, ताटिमाकुलपल्ले, राजुपालेम्, कोम्माड्डी, मोइल्लचेरुवु, नॉर्थपालगिरि, इंदुकुर, अनिमेल, यू राजुपालेम, एलीडेना, पिल्लीवारिपल्ले, अडविचर्लोपल्ली, सर्वरायपेट, रामिरेड्डीपल्ले, पोचम रेड्डी पल्ली, एन पालगिरी, सांगला पल्ली, गंगी रेड्डी पल्ले, वीरपुनायुनिपल्ली एमसीसी, वेरपुनायुनि पल्ली, साउथपालगिरी, यू. राजुपालेम, बुसिरेड्डीपल्ली, मोगमुर एरु	वीरपुनयुनिपल्ले (विरपनयनिपल्ले)	वायएसआर (वाय.एस.आर. कड़पा)	आंध्र प्रदेश
19	एर्रलपल्ले, कोत्तपल्ले, पोददुर्थी, एर्रबल्ली, पिल्लिवारीपल्ले	कमलापुरम	वायएसआर (वाय.एस.आर. कड़पा)	आंध्र प्रदेश
20	रामचंद्रपल्ले, उलवलपल्ले, कोंडूरु, गांड्लोपल्ले, तुम्मलुरु, गोपराजुपल्ले, कारपुरेड्डीपल्ले, नागयपल्ले, नल्लयगारीपल्ले, बालय्यगारीपल्ले, मिन्नय्यगारीपल्ले, बालिरेड्डीपल्ले, गुर्रालचिंतलपल्ले, गोंडीपल्ले, टिप्पराजुपल्ले, चीमलपेंटा, दासरीपल्ले, कोत्तपल्ले, अलुखानपल्ले, पेंड्लीमर्री, चेर्लोपल्ले, मर्रीमाकुलपल्ले, नरसिंमस्वामी टेम्पल, पगडालपल्ले, कोत्तसानी कोत्तपल्ले, चेन्नमराजुपल्ले, एल्लाटूरु, देचुतुलपल्ले, श्रीनिवासपुरम्, गोपालपुरम्, सुरतखानपल्ले, कोंडारेड्डीपल्ले, गिरियापल्ले, मल्लप्पापल्ले, हवलदारपेट, एर्लपाडु, मल्लयपल्ले, शिवशंकरपुरम, गंगनपल्ले, वाडलवारीपल्ले, तिप्पिरेड्डीपल्ले, वेंकटरामन्नपल्ले, रासवारीपल्ले, पेसलवारीपल्ले, तुम्मलूर, नंदीमंडलम्, चीमलपेंट, ए. रामचंद्रपुरम्, चेन्नम्राजू पल्ले, वेल्लाटूरू, चिन्न दासरीपल्ले, पेद्द दासरीपल्ले, कोत्तगिरिपल्ले, तिप्पिरेड्डीपल्ले, गुर्रालचिंतलपल्ली, वेय्यी नूतुल कोन, चिन्न दासरी पल्ली, रेपल्ले, ए. रामचंद्रपुरम, येगुव चेरुवु, संगटीपल्ले, रामापुरम् एट मिट्टमीडपल्ले, गंगनपल्ली, वड्लवांड्लपल्ली, तिप्पीरेड्डी पल्ली, गंगनपल्ली एचडब्ल्यू रामालयम, अक्कमदेवतल गुड़ी, चिंटुकिटु वर्ल्ड, कोत्त गिरियपल्ली, कोत्त पल्ली विलेज, केजीबीवी पेंड्लीमर्री, नागय्य पल्ली, कारपुरेड्डीपल्ली गंगम्म, येरासुपल्ली, कोंडूरु हरिजनवाड़, एनुगुवांड्लपल्ले, गोंडी पल्ले, पगडाल पल्ले	पेंड्लीमर्री	वायएसआर (वाय.एस.आर. कड़पा)	आंध्र प्रदेश
21	उटुकुरु चेरुवु, अक्कय्यपल्ले, एर्रमुक्कपल्ले, चेम्मुमियापेट, अक्कय्यपल्ली, उटुकूर टैंक, प्रकृति नगर, चेम्मुमियापेट (यू)	कड़पा	वायएसआर (वाय.एस.आर. कड़पा)	आंध्र प्रदेश
22	तिरुवेंगराजुपल्ले, भाकरापेट, गोल्लपल्ले, चिन्नपल्ले, कम्मवारीपल्ले, मित्तमिडपल्ले, गोपालपुरम, अप्पराजुपल्ले, बालुपल्ले, पापसाहेबपेंट, पात पब्बापुरम, पेद्द चौटुपल्ली, कोत्त पब्बापुरम, आसेट्टुगारीपल्ले, बसिरेड्डीपल्ले, रासूलपल्ले, हरिजनवाड़, चिंतकोम्मदिन्ने, नरसन्नपल्ले, मूलवंक, अग्रहारम, बयनपल्ले, गूडालपल्ले, रियानुपल्ले, नागिरेड्डीपल्ले, बीरम्खानपल्ले, बुग्गलपल्ले, बुग्गलेटीपल्ले, लक्किरेड्डीपल्ले, दौलतापुरम, पडिगलपल्ले, लिंगारेड्डीपल्ले, वड्डेपट्टे, राजुगारीतातय्यपल्ले, जमलपल्ले, बोडेद्दुलपल्ले, कोत्तपल्ले, जमालुपल्ले, इप्पापेंट, गोल्लपल्ले अग्रहारम, वेंकटरामपल्ले, पेद्द कम्पल्ले, चिन्न कम्पल्ले, दिनमदारुपल्ले, गुर्रम्गुम्पु टंडा, कम्पल्ले चेरुवु, मद्दिमडुगु वंक, बुग्ग वंक, कृष्णापुरम, कोत्तपेट, चिन्नगाडी वंक, रासूलपल्ले बोडु, वेंकटगिरीपल्ले, पोटुपल्ले, मद्दीमडुगु, उटुकूरु, विश्वनाधपुरम, सोमलपल्ले, मामिलपल्ले, हरिजनपालेम, कोन्नेपल्ले, बलिजपल्ले, मुसलारेड्डीपल्ले, कोत्त तुरकपल्ले, नयनगानपल्ले, के रामचंद्रपुरम, ताडीगोट्ल, चेर्लोपल्ले, पब्बापुरम, पापासाहेबपेट, चिंतकोम्मडिने, कडपा, बोग्गलपल्ले, रुद्रय्यगारीपल्ले, जमाल पल्ले, कोलुमुलपल्ले, चिन्न कम्पल्ले, पेद्दकम्पल्ले, पीवीयू भास्कर प्लेस, गोर्लपल्ली, वड्डमानी तिरुपति रेड्डी, अरीकेल येल्ला रेड्डी गार्डन, श्री रंगा राजू पल्ले, के. रामचंद्रपुरम्, सी.के. दिन्ने, बुसिरेड्डीपल्ले, रसूल पल्ले, नरसन्न पल्ली, चिंतकोम्मडिने चेरुवु, मूलवंक, के. कृष्णापुरम, आय. अग्रहारम, नागिरेड्डीपल्ली, वेंकट्रामिपल्ली रामालयम, मामिल्लपल्ले रूरल, इंदिरा नगर, सुब्बन्न गारी पल्ली, मामिल्लपल्ली, एमपीपीएस उर्दू लक्की रेड्डी पल्ली, बोडेद्दुल पल्ली, राजुलतातय्य गारी पल्ले, ओबुलमपल्ली, अप्पराजुपल्ली, वड्डेपल्ले, बोग्गल पल्ले, उटुकुर, विश्वनाथपुरम	चिंथा कोमाडिने (चिंताकोमाडिने)	वायएसआर (वाय.एस.आर. कड़पा)	आंध्र प्रदेश

अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में मार्ग संरेखण की प्रति उपलब्ध है। एतद द्वारा आम जनता को इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से दो महीने के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तावित पारेषण प्रणाली पर टिप्पणी/अभ्यावेदन करने का नोटिस दिया जाता है। अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें :

नाम: श्री टी. अमरेन्द्रनाथ रेड्डी
पदनाम: डायरेक्टर- बिज़नेस ऐंड रैगुलेटरी
कार्यालय का पता: डीएलएफ साइबर पार्क टॉवर-बी, 9वीं मंजिल, उद्योग विहार, फेज-3, सेक्टर 20, गुरुग्राम, हरियाणा
ईमेल पता: tan.reddy@sterlite.com
ईमेल पता फोन नं.: sangeet.attri@sterlite.com/8745915399

‘कांग्रेस सरकार जनविरोधी है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मडिकेरी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सत्ता में आने के बाद अपने सभी वादे भूल गई है और जनविरोधी व्यवहार कर रही है। भाजपा की जनाक्रोश यात्रा के तीसरे दिन बुधवार को यहां आयोजित जनसभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव के दौरान सिंचाई को लेकर लड़ाई का नाटक किया था। उन्होंने दो पदयात्राएं की थीं, एक कृष्णा की ओर और दूसरी मेकेदातु की। उन्होंने आपत्ति जताई कि अहिंदा के नाम पर वोट हासिल करने वाले और मुख्यमंत्री बने सिद्दरामय्या सभी पिछड़े समुदायों को भूल गए हैं। उन्होंने शिकायत की कि राज्य में 100 से अधिक पिछड़े समुदाय हैं और कांग्रेस उन्हें भूल गई है तथा केवल अल्पसंख्यकों और मुसलमानों के पक्ष में खड़ी हो गई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि भले ही चुनाव नहीं हो रहे हैं, लेकिन भाजपा जन-समर्थक संघर्ष में उतर गई है।

राज्य में कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए 20 महीने हो गए हैं। उन्होंने 50 आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ाकर लोगों को संकट में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि परिणामस्वरूप, राज्य के लोग, जिन्होंने अतीत में वोट दिया था, सिद्दरामय्या और कांग्रेस सरकार को कोस रहे हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ गईं। दूध की कीमत बढ़ा दी गई। उन्होंने सिद्दरामय्या सरकार पर आरोप लगाया कि उसने मात्र 20 महीनों में दूध की कीमतें तीन बार बढ़ाकर क्षुद्रता दिखाई है।उन्होंने कहा कि भले ही केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ा दी हैं, गैस की कीमत रु. 50 बढाई है। लेकिन इसका बोझ जनता पर नहीं डाला है। सिद्दरामय्या ने इस वृद्धि की आलोचना की है। मुख्यमंत्री आधा सच बता रहे हैं। मार्च 2023 में सिलेंडर की कीमत 1107 रुपए थी। वहीं आज 50 रुपए बढ़ाने के बाद भी कीमत 850 रुपए है। मोदी सरकार ने 1000 करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि कीमत 300 रुपए कम कर दी गई थी।

विजयेन्द्र ने कहा कि दूध का दाम 10 रुपये किलो है बढ़ा है। क्या आपने इसे नहीं बढ़ाया? उन्होंने पूछा कि कौन सी अंतर्राष्ट्रीय कीमत अधिक है। उन्होंने सरकारी कार्यों में मुसलमानों को 4 प्रतिशत आरक्षण देने के असंवैधानिक कदम, गैर-हिंदुओं के नाम पर सत्ता में आए कांग्रेसियों और सिद्दरामय्या द्वारा अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सामाजिक और शैक्षिक विकास के लिए निर्धारित 38,500 करोड़ रुपये के दुरुपयोग की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने यह भी कहा कि यह निंदनीय है।

इस मौके पर विपक्षी नेता आर. अशोक, पूर्व मंत्री बी. श्रीरामुलु, तत्काल पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील, सांसद यदुवीर वॉडियार, विधान परिषद के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, राज्य उपाध्यक्ष एम. राजेंद्र, कोडागु जिला अध्यक्ष रवि कलप्पा, रायथा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ए.एस. पाटिल नादहल्ली, संभाग प्रभारी उदयकुमार शेट्टी, राजेश कावेरी, पूर्व जिला अध्यक्ष रोबिन देवैया, भारतीश, पार्टी नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अज्ञात बदमाशों ने एटीएम तोड़कर 18 लाख रुपये चुराए

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी में बुधवार तड़के कुछ अज्ञात बदमाशों ने गैस कटर की मदद से बिना सुरक्षा वाले एसबीआई एटीएम को कथित तौर पर तोड़कर 18 लाख रुपये नकद चुरा लिये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह वारदात यहां रामनगर क्षेत्र में तड़के तीन बजे हुई। पुलिस के मुताबिक, एटीएम कियोस्क में घुसने के बाद बदमाशों ने कथित तौर पर अपनी पहचान छिपाने के प्रयास में सीसीटीवी कैमरों पर काला पेंट छिड़क दिया। इसके बाद उन्होंने गैस कटर की मदद से दो एटीएम में से एक को तोड़ दिया और नकदी लेकर चंपत हो गए। उन्होंने दूसरी मशीन को यूं ही छोड़ दिया, क्योंकि उसमें पैसा नहीं था। प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि एटीएम में मंगलवार शाम करीब छह बजे नकदी डाली गई थी। पुलिस ने कहा कि वह इस घटना की कड़ियों को फिर से जोड़ने और आरोपियों की पहचान करने के लिए कियोस्क के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाल रही है। उसने कहा कि घटना के समय एटीएम कियोस्क के अंदर कोई सुरक्षा गार्ड नहीं था।

भाजपा के 18 विधायकों ने विधानसभाध्यक्ष से निलंबन वापस लेने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 18 विधायकों ने बुधवार को दावा किया कि विधानसभा से उन्हें छह महीने के लिए निलंबित करने का अध्यक्ष यू टी खादर का फैसला नियमों का ''उल्लंघन'' और कानून के ''अनुरूप नहीं'' है। विधायकों ने उनसे निलंबन पर पुनर्विचार करने और उसे वापस लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा में भी विधायकों को इसी तरह निलंबित किया गया था, जिसे उच्चतम न्यायालय ने ''अतार्किक'' बताया था।

विधायकों ने कहा कि वे न्यायालय का रुख करने के बजाय अध्यक्ष को अपने पास निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए निलंबन पर पुनर्विचार करने और उसे वापस लेने के लिए याचिका दायर करेंगे। भाजपा के 18 विधायकों को 21 मार्च को ''अनुशासनहीनता'' और अध्यक्ष का ''अनादर'' करने के आरोप में छह महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। सदन से बाहर जाने से इनकार करने पर उन्हें मार्शलों द्वारा जबरन बाहर निकाल दिया गया।

भाजपा विधायक सी एन अश्वथ नारायण ने कहा, ''हमने विधानसभा अध्यक्ष द्वारा 18 भाजपा विधायकों को निलंबित करने के फैसले और इस मुद्दे को हल करने के तरीकों पर चर्चा की। हमें विधानसभा में कार्यवाही के नियम 348 के तहत निलंबित किया गया, जो किसी सदस्य का नाम लेने और चेतावनी देने या उन्हें एक दिन के लिए या सत्र के अंत तक निलंबित करने की अनुमति देता है।'' अन्य विधायकों के साथ मौजूद नारायण ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित करना नियमों का उल्लंघन है और कानून के अनुरूप नहीं है, क्योंकि नियम 348 इसकी अनुमति नहीं देता है।

महाराष्ट्र में इसी तरह के एक मामले का जिक्र करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री नारायण ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा के नियम 53 के तहत 12 विधायकों को एक साल के लिए निलंबित कर दिया गया, जबकि नियम के अनुसार निलंबन केवल सत्र के अंत तक ही हो सकता था। विधायकों ने उच्चतम न्यायालय में अपील की, जिसने निलंबन को ''अतार्किक'' करार दिया और बाद में इसे वापस ले लिया गया। निलंबन की यह घटना विधानसभा के बजट सत्र के आखिरी दिन हुई, जब भाजपा विधायकों ने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। उन्होंने सार्वजनिक निविदाओं में मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का विरोध किया और सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना से जुड़े कथित ''हनी-ट्रैप'' प्रयास की न्यायिक जांच की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान कुछ भाजपा विधायक अध्यक्ष के आसन पर चढ़ गए और उनकी कुर्सी को घेर लिया, जबकि अन्य ने विरोध करते हुए कागज फेंके। निलंबित विधायकों में भाजपा के मुख्य सचेतक दोड्डानगौड़ा पाटिल, पूर्व उपमुख्यमंत्री अश्वथ नारायण, एसआर विश्वनाथ, बीए बसवराजू, एमआर पाटिल, चन्नबसप्पा, बी सुरेश गौड़ा, उमानाथ कोट्यान, शरणु सालगर, डॉ. शैलेन्द्र बेलदाले, सीके राममूर्ति, यशपाल सुवर्ण, बीपी हरीश, भरत शेट्टी, धीरज मुनिराजू, चंद्रू लमानी, मुनिरत्न और बसवराज मत्तिमुद शामिल हैं।

बीबीएमपी का आदेश भ्रामक है : अश्वत्थनारायण

बेंगलूरु। पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथनारायण ने आपत्ति जताते हुए कहा है कि कचरा शुल्क के संबंध में बीबीएमपी द्वारा जारी आदेश भ्रामक और गंभीर बिजली के झटके जैसा है।

मल्लेश्वरम स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने इस तथ्य की आलोचना की कि लोगों से वर्ष 2025-26 के लिए संपत्ति कर के साथ-साथ उपयोगकर्ता अपशिष्ट शुल्क और शुल्क बिना किसी जिम्मेदारी के और अपनी मर्जी से वसूला जा रहा है। उन्होंने सभी पर अत्यधिक फीस वसूलने का आरोप लगाया। उन्होंने आवास, होटल और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों पर भारी मात्रा में कर लगाया है। 5 अप्रैल को जारी यह परिपत्र बिना कानूनी जानकारी के बनाया गया प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि मकानों पर उपकर शुल्क और उपयोगकर्ता कर भूमि क्षेत्र के बजाय मकान के क्षेत्रफल के आधार पर लगाया गया है।

600 वर्ग फीट से अधिक के लिए 10 रुपए, 1000 से 2000 वर्ग फीट के लिए 100 रुपए। इसका शुल्क मासिक आधार पर लिया जाएगा।

भाजपा सरकार का पर्दे के पीछे का खेल खत्म : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले में तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि को संविधान की इच्छा के विरुद्ध कार्य करने तथा एकतरफा ढंग से उनके निर्णयों को पलटने के लिए जिम्मेदार ठहराना, देश के सभी राज्यपालों तथा नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र की भाजपा सरकार के लिए चेतावनी है, जो पर्दे के पीछे से खेल खेल रही थी। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने राज्यपाल के कर्तव्यों के दायरे को स्पष्ट रूप से परिभाषित कर दिया है, जिससे कोई भी भ्रम दूर हो गया है। अब तक जो असमंजस की स्थिति थी, वह अब दूर हो गई है, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकार द्वारा पारित विधेयकों पर संसद के दोनों सदनों के अध्यक्षों के हस्ताक्षर प्राप्त करने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर दी है, जिसे अधिकतम तीन महीने की अवधि के भीतर पूरा किया जाना है।

उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में यह आरोप तेजी से सुनने को मिल रहे हैं कि जिन राज्यों में गैर-भाजपा दल सत्ता में हैं, वहां के राज्यपाल केंद्र सरकार की कठपुतली की तरह काम कर रहे हैं तथा संविधान की भावना और अपने संवैधानिक पदों की गरिमा और सम्मान का उल्लंघन कर रहे हैं। इससे माननीय राज्यपाल का पद जनता का विश्वास खो रहा है।

आईटीआई लि. ने हिमाचल में भारतनेट प्रोजेक्ट के लिए एस-एनओसी की शुरुआत की

गांवों में हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा उपलब्ध होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। प्रमुख दूरसंचार विनिर्माण कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने बीएसएनएल के समन्वय से हिमाचल प्रदेश के सोलन में भारतनेट चरण-3 प्रोजेक्ट के राज्य नेटवर्क परिचालन केंद्र (एस-एनओसी) के लिए काम शुरू कर दिया है। बता दें कि एस-एनओसी एक केंद्रीकृत लोकेशन है, जहां आईटीआई लि. प्रोजेक्ट के नेटवर्क बुनियादी ढांचे के प्रदर्शन, सुरक्षा और उपलब्धता की निगरानी और प्रबंधन करेगी, जिससे सेवाओं की डिलीवरी सुनिश्चित होगी। नवंबर 2024 में, आईटीआई लि. हिमाचल प्रदेश में पैकेज संख्या 8 के लिए भारतनेट चरण-3 प्रोजेक्ट के लिए और पश्चिम बंगाल एवं अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में पैकेज संख्या 9 के लिए कुल 5050 करोड़ रुपए के ऑर्डर मूल्य के साथ एल1 के रूप में उभरी थी।

सोलन स्थित बीएसएनएल कार्यालय में आयोजित एक समारोह में आईटीआई लि. के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजेश राय ने बीएसएनएल के मुख्य महाप्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता के साथ एस-एनओसी की शुरुआत की तथा हिमाचल में भारतनेट चरण-3 प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर आईटीआई लि. के निदेशक-वित्त राजीव श्रीवास्तव, जीएम नमिता, बीएसएनएल के वरिष्ठ जीएम जसपाल सिंह और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

भारत सरकार ने देशभर की सभी ग्राम पंचायतों को आईपी-एमपीएलएस रिंग नेटवर्क से जोड़ने के लिए भारतनेट चरण-3 प्रोजेक्ट शुरू किया था। यह आधुनिक एस-एनओसी हिमाचल प्रदेश में सभी ग्राम पंचायतों की कनेक्टिविटी की निगरानी करेगा और अंतिम छोर पर उपभोक्ताओं को कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने में मददगार साबित होगा। यह प्रोजेक्ट हिमाचल में आईटीआई लि. द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा। इस योजना के तहत 3,615 ग्राम पंचायतों को 10 जीबीपीएस बैंडविड्थ के जरिए 91 ब्लॉक मुख्यालयों से जोड़ा जाएगा, जो बीएसएनएल आईपी-एमपीएलएस रिंग नेटवर्क से जुड़ेंगे।

इस कनेक्टिविटी का राज्य के 15,538 गांवों तक प्रसार किया जाएगा। प्रोजेक्ट के लिए हिमाचल में लगभग 20,000 किमी ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जाएगी। इस अवसर पर राजेश राय ने कहा, 'हम बीएसएनएल के साथ साझेदारी में इस एस-एनओसी को शुरू करने से बहुत खुश हैं। यह प्रोजेक्ट हिमाचल प्रदेश में डिजिटल कनेक्टिविटी और ग्रामीण सशक्तीकरण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद करेगा।'

उन्होंने कहा, 'हिमाचल भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है, लेकिन हमें विश्वास है कि इस प्रोजेक्ट को निर्धारित समयावधि के अंदर सफलतापूर्वक क्रियान्वित करेंगे। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने पर हिमाचल में डिजिटल क्रांति को नया आयाम मिलेगा तथा गांव-गांव में हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा मिलेगा।'

आईआरईएल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम - परमाणु ऊर्जा विभाग)

नियमित आधार पर कार्यकारियों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन हेतु शुद्धिपत्र संख्या 2

नयमित आधार पर कार्यकारियों की नियुक्ति के लिए विज्ञापन सं. CO/HRM/32/2025 के संदर्भ में निम्नलिखित परिवर्तन शामिल किए गए हैं:

ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि और समय को 17 अप्रैल, 2025 (14:00 बजे) तक बढ़ा दिया गया है। विज्ञापन सं. CO/HRM/32/2025 के अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगे।

इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों को, उपर्युक्त संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु आईआरईएल की वेबसाइट (www.irel.co.in) के करियर अनुभाग में जाने हेतु सलाह दी जाती है।

स्थान: मुंबई
दिनांक: 09.04.2025
CBC 48129/12/0001/2526

हस्ताक्षरित
मुख्य महाप्रबंधक (मा.सं.प्र.)

शानदार कलेक्शन के साथ धूम मचाने कल आ रही ‘हाई लाइफ’ प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फैशन के शौकीनों के लिए बड़ी खबर है। मशहूर फैशन प्रदर्शनी 'हाई लाइफ' एक बार फिर बेंगलूरु में अपने नए और शानदार अंदाज के साथ वापसी कर रही है। इस बार यह प्रदर्शनी गर्मियों के ताज़ा रुझानों और वसंत से प्रेरित कलेक्शन के साथ 11, 12 और 13 अप्रैल को द ललित अशोक में आयोजित होगी।

फैशन हर मौसम के साथ बदलता है, लेकिन इसका आकर्षण हमेशा बरकरार रहता है। हाई लाइफ प्रदर्शनी हर बार नए स्टाइल और ताज़गी भरे माहौल के साथ फैशन प्रेमियों के दिलों पर छा जाती है। इस बार भी यह प्रदर्शनी खूबसूरत डिज़ाइनर परिधानों, दुल्हनों के लिए शादी के जोड़े, पारंपरिक डिज़ाइनों, रोज़मर्रा के फैशनेबल कपड़ों, आभूषणों, एक्सेसरीज़ और यहां तक कि आपके घर के लिए फैशन स्टेटमेंट्स के साथ धूम मचाने को तैयार है।

चाहे आप अपने लिए कुछ खास तलाश रहे हों या अपने घर को स्टाइलिश बनाना चाहते हों, यहां आपको सबकुछ बेहतरीन मिलेगा। तो तैयार हो जाइए फैशन के इस जश्न का हिस्सा बनने के लिए, जो बेंगलूरु में नई हलचल पैदा करने वाला है।

‘मैंने कभी नहीं कहा कि कर्नाटक भ्रष्टाचार में नंबर एक है’

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के आर्थिक सलाहकार बसवराज रायारेड्डी ने बुधवार को कहा कि उन्होंने कभी दावा नहीं किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार के कार्यकाल के दौरान कर्नाटक भ्रष्टाचार में नंबर एक हो गया है। रायारेड्डी ने कर्नाटक में कुछ प्रकाशनों में यह रिपोर्ट आने के बाद स्पष्टीकरण जारी किया कि क्षेत्रीय असंतुलन में सुधार के लिए एक समिति की समीक्षा बैठक के दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा था कि भ्रष्टाचार के मामले में कर्नाटक देश में शीर्ष पर है।

कोप्पल में दिए गए अपने बयान को मीडिया द्वारा तोड़-मरोड़कर पेश किए जाने का आरोप लगाते हुए येलबुर्गा से कांग्रेस विधायक ने कहा कि उन्होंने केवल इस धारणा को उजागर किया था कि ''कर्नाटक को सबसे भ्रष्ट राज्य के रूप में ब्रांड किया गया है'', जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। रायारेड्डी ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने यह नहीं कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के कार्यकाल में भ्रष्टाचार बढ़ा है। यह एक ऐसा घटनाक्रम है जो पिछले दो-तीन दशकों से चला आ रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रेस वार्ता में ऐसा कोई बयान नहीं दिया। उन्होंने दावा किया, मैंने कभी नहीं कहा कि कर्नाटक नंबर एक भ्रष्ट राज्य है। मैंने केवल इतना कहा कि कर्नाटक को सबसे भ्रष्ट राज्य के रूप में ब्रांड किया गया है। यह धारणा पिछली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (एस) (जद-एस) सरकारों के खराब शासन के कारण बनी है।

भ्रष्ट कांग्रेस सरकार राज्य में कुशासन कर रही है : गौड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा ने कहा है कि भाजपा जनहितैषी कार्य और संघर्ष में कभी पीछे नहीं रही है। उन्होंने आज यहां जनाक्रोश यात्रा सभा में यह बात कही। उन्होंने कर्नाटक में कुप्रबंधन के लिए भ्रष्ट कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने इस कुप्रबंधन के खिलाफ प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र और उनकी टीम द्वारा लगातार चलाए जा रहे संघर्ष की सराहना की। उन्होंने सिद्दरामय्या और डीके शिवकुमार सरकार की आलोचना करते हुए इसे राज्य के इतिहास की सबसे भ्रष्ट सरकार बताया। हमारे विधायकों ने सत्र के दौरान लगातार सरकार को चेतावनी देने का काम किया है। हालांकि, उन्होंने सिद्दरामय्या और मंत्रियों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। अगर आप बिजली का स्विच ऑन कर देंगे तो कीमत बढ़ जाएगी। अगर आप आधा गिलास कॉफी पीना चाहते हैं तो दूध की कीमत बढ़ गई है। बच्चों को स्कूल भेजने के लिए पेट्रोल की कीमतें बढ़ानी पड़ती हैं। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि स्टाम्प ड्यूटी समेत 48 आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ा दी गई हैं।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक) प्लांट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज, पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058 फोन : 080-28094184, 4196, 4541, 4542 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदारों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित किया जाता है।

एनआईटी सं :	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीओएन/सी/ईटीएन-02/2025-26 दिनांक 09.04.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीओएन/सी/ईटीएन-03/2025-26 दिनांक 09.04.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीओएन/सी/ईटीएन-04/2025-26 दिनांक 09.04.2025	इस्ट्रैक/सीएमजी/सीओएन/सी/ईटीएन-07/2025-26 दिनांक 09.04.2025
कार्य का नाम :	एससीसी परिसर इस्ट्रैक, बेंगलूरु में प्रधान पी एंड जीए कक्ष और कार्यालय का नवीनीकरण तथा पुराने लेखा कार्यालय को नए सीएमजी कार्यालय में परिवर्तित करना। (सिविल कार्य)	एससीसी, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में विभिन्न अनुभागों के वरिष्ठ अभियंता कक्षों का नवीनीकरण (सिविल कार्य)	एससीसी, इस्ट्रैक, बेंगलूरु के प्रवेश द्वार पर प्रस्तावित कैनोपी (सिविल वर्क्स)	इसरो हाउसिंग, जालाहल्ली, बेंगलुरु में मौजूदा गीले अपशिष्ट खाद इकाई को नष्ट करना तथा आरसीसी पेडस्टल के साथ 250 किलोग्राम क्षमता वाली पूर्ण स्वचालित जैविक गीले अपशिष्ट खाद इकाई की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग करना। (सिविल वर्क्स)
निविदा का अनुमानित मूल्य :	रु. 24.50 लाख	रु. 24.80 लाख	रु. 23.93 लाख	रु. 12.98 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा	ई-निविदा	ई-निविदा	ई-निविदा
पूरा करने की अवधि :	02 (दो) माह	02 (दो) माह	04 (चार) माह	03 (तीन) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि :	11.04.2025 को 14.30 बजे से 25.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 14.30 बजे से 25.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 14.30 बजे से 25.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 14.30 बजे से 25.04.2025 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण :	11.04.2025 को 15.30 बजे से 28.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 15.30 बजे से 28.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 15.30 बजे से 28.04.2025 को 16.30 बजे तक	11.04.2025 को 15.30 बजे से 28.04.2025 को 16.30 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख :	29.04.2025 को 16.30 बजे तक	29.04.2025 को 16.30 बजे तक	29.04.2025 को 16.30 बजे तक	29.04.2025 को 16.30 बजे तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	30.04.2025 को 14.30 बजे तक	30.04.2025 को 14.30 बजे तक	30.04.2025 को 14.30 बजे तक	30.04.2025 को 14.30 बजे तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	01.05.2025 को 11.30 बजे से	01.05.2025 को 11.30 बजे से	01.05.2025 को 11.30 बजे से	01.05.2025 को 11.30 बजे से
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 49,000/-	रु. 49,600/-	रु. 47,860/-	रु. 25,960/-

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देखें जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख - सीएमजी

सुविचार

हमारा हर सपना पूरा हो सकता है, यदि हमारे पास उन्हें पाने की हिम्मत और लगन हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सच्चाई की बड़ी जीत

मुंबई के 26/11 आतंकी हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा का अमेरिका से प्रत्यर्पण सच्चाई की बड़ी जीत है। इससे न्याय के रास्ते में आ रहे कई अवरोध दूर हो गए हैं। हालांकि अभी लड़ाई बाकी है। अदालत में तहव्वुर के खिलाफ सबूत रखे जाएंगे, उसे अपना बचाव करने का मौका दिया जाएगा, लंबी बहस होगी। उसके बाद फैसला आएगा। भारतीय जांच एजेंसियों को विशेष सावधानी बरतकर पुख्ता सबूत जुटाते हुए ऐसे सवाल तैयार करने होंगे, जिनसे पूरा सच खुद ही सामने आ जाए। तहव्वुर अपनी जान बचाने के लिए कई पैंतरे आजमाएगा। उसने अमेरिकी अदालतों और एजेंसियों को चकमा देने की खूब कोशिशें की थीं। वह यही पैंतरा भारतीय अदालतों में चलेगा। पाकिस्तान उसके लिए सहानुभूति जुटाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। अब भारत के लिए एक अवसर है कि वह तहव्वुर का कच्चा चिट्ठा खोलकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को तेज करे। यह शख्स कनाडाई नागरिक है, लेकिन पूर्व में पाकिस्तानी फौज में डॉक्टर रह चुका है। इसने डेविड कोलमैन हेडली का भरपूर सहयोग किया था, जिसने मुंबई हमलों से पहले रेकी कर साजिश रची थी। तहव्वुर ने उसे जिस तरह वीजा लगवाने और फर्जी पहचान बनाकर मुंबई में अत्यंत महत्त्वपूर्ण जगहों की जानकारी जुटाने के लिए 'पर्दे के पीछे' से दिशा-निर्देश दिए थे, उससे स्पष्ट होता है कि यह कसाब से भी ज्यादा खतरनाक आतंकवादी है। अगर इसे भविष्य में सख्त सजा होती है तो उन सभी आतंकवादियों और उनके आकाओं तक कड़ा संदेश जाएगा, जो इस भ्रम में रहते हैं कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण से भारत को 26/11 हमलों की साजिश के अन्य पहलुओं के बारे में बड़ी जानकारी मिल सकती है। इसके पास ऐसे गुप्त तथ्य जरूर होंगे, जो निचले स्तर के आतंकवादियों के पास नहीं होते हैं। जब भारतीय जांच एजेंसियों के आगे तहव्वुर मुंह खोलेगा तो कई राज़ उगलेगा। अब तक जितने बड़े आतंकवादी हमले हुए हैं, उनमें आईएसआई की क्या भूमिका रही, लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठन किस स्तर पर शामिल रहे, भारत में उन्हें सहयोग पहुंचाने वाले तत्त्व कौन हैं, उनका नेटवर्क कहां तक फैला है ... जैसे सवालों के जवाब मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इस प्रत्यर्पण से दुनिया में यह संदेश जाएगा कि भारत अपनी धरती पर हमला करने वालों को नहीं बख्शता है। भले ही इसमें कुछ समय लग जाए, लेकिन देश दृढ़ संकल्प के साथ अपनी लड़ाई लड़ता है। इस लड़ाई से लोगों में न्याय को लेकर भरोसा मजबूत होगा, भारत की छवि निश्चित रूप से मजबूत होगी। जब कसाब पर मुकदमा चलाया गया था, तब यह सुनिश्चित किया गया था कि उसकी हिरासत और मुकदमे की प्रक्रिया में पूरी तरह पारदर्शिता बरती जाए। तब सोशल मीडिया नहीं था, इसलिए कई बातें लोगों तक पहुंचने में काफी समय लगा। आज स्थिति बिल्कुल अलग है। अब तहव्वुर की करतूतों के सबूत पलक झपकते ही पूरी दुनिया तक पहुंच जाएंगे। इस प्रत्यर्पण से भारतीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों को भविष्य में ऐसे हमलों को टालने में मदद मिल सकती है। आतंकवादियों के मंसूबे विफल करने के लिए जरूरी है कि उनके तौर-तरीकों, हथकंडों, हमलों के संचालन से जुड़ी बारीक से बारीक जानकारी हमारे पास हो। इससे भविष्य में ज्यादा प्रभावी रणनीति बनाने और सुरक्षा संबंधी तकनीक विकसित करने में मदद मिलेगी। तहव्वुर से प्राप्त जानकारी का 'उचित स्तर' पर उपयोग करने से आतंकवादियों का जल्दी खात्मा होगा, उनकी हिम्मत पस्त होगी। भारत इस लड़ाई को आगे बढ़ाए, तहव्वुर राणा को उसके अंजाम तक पहुंचाए।

ट्वीटर टॉक

नवकार महामंत्र सिर्फ मंत्र नहीं है। ये हमारी आस्था का केंद्र है। हमारे जीवन का मूल स्वर और इसका महत्व सिर्फ आध्यात्मिक नहीं है। ये स्वयं से लेकर समाज तक, सबको राह दिखाता है। इस मंत्र का प्रत्येक पद ही नहीं, बल्कि प्रत्येक अक्षर अपने आप में एक मंत्र है।

-नरेन्द्र मोदी

पर्यटन भवन में अयोध्या की नन्ही आध्यात्मिक वक्ता एवं सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर आहुति शुक्ला जी से स्नेहिल भेंट की। इस अवसर पर आहुति ने अपनी कविताओं के कुछ अंश सुनाएं, जिसमें भगवान श्री राम और महाराणा सांगा जी के 80 घावों का वर्णन किया गया था।

-दीया कुमारी

क्या जनता को प्यास नहीं लगती? सिर्फ़ आप अफ़सरों को ही लगती है। गर्मी में पेयजल संकट के कारण जनता त्रस्त है।अफ़सर तृप्त है। पानी कागजों में नहीं, लोगों के होठों तक पहुँचे। अफ़सर सो रहें है, लोग रो रहें हैं।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

भिक्षा की तार्किकता

एक आश्रम में रहकर दो ऋषि शास्त्राध्ययन में लगे रहते थे। दोपहर के समय दोनों भोजन करने बैठे। इसी बीच एक युवा भिक्षुक ने आवाज लगाई, 'महात्मन, क्या भिक्षा मिलेगी?' एक ऋषि ने उत्तर दिया, 'नहीं, इस समय भिक्षा नहीं मिल पाएगी।' यह सुनते ही युवा ब्रह्मचारी भिक्षुक ने विनम्रतापूर्वक पूछा, 'ऋषिवर! आपके इष्टदेव कौन हैं?' ऋषि ने कुछ क्रोधित होकर कहा, 'लगता है कि तुम उद्दंड किस्म के ब्रह्मचारी हो, हमारे इष्टदेव का नाम जानकर क्या करोगे?'

कुछ क्षण मौन रहकर ऋषि ने बताया, 'हमारे इष्टदेव वायु हैं, जिन्हें प्राण भी कहा जाता है।' ब्रह्मचारी भिक्षुक ने कहा, 'ऋषिवर! वायु व प्राण तो सर्वत्र व्याप्त हैं। क्या मुझ में प्राण नहीं हैं। आप अकेले भोजन कर अपने इष्टदेव, जो मेरे अंदर भी विराजमान हैं व भूखे हैं, की अवहेलना का पाप नहीं कर रहे हैं?' दोनों ऋषि यह समझ गए कि यह ब्रह्मचारी उपनिषदों का गंभीर अध्येता है। उन्होंने अपनी भूल स्वीकार की तथा ब्रह्मचारी को पास बिठाकर आदर से भोजन कराया।

सामयिक

सावधान! तेज धूप एवं बढ़ती गर्मी से कहीं लू न लग जाए

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार बढ़ती गर्मी के पूराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थन के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है।

प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से तीसरा ध्रुव' कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति 'लिटल आइस एज' के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना पड़ेगा।

दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं ,वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है।

कुछ जगहों पर धारा 144 लागू करना इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

विशेष

असहिष्णुता के माहौल में भगवान महावीर के विचारों की प्रासंगिकता

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 8949519406

भगवान महावीर जयंती का पर्व इस वर्ष 10 अप्रैल को पूरे देश में मनाया जा रहा है। आज देश और दुनिया में सर्वत्र हिंसा, धार्मिक असहिष्णुता तथा नफरत का माहौल व्याप्त हो रहा है। लोग एक दूसरे के खिलाफ लड़-मरने को तैयार है। हम असहिष्णुता और विभिन्न पंथों के लोगों के खिलाफ घृणा आधारित हिंसा देख रहे है। ऐसे में भगवान महावीर के विचारों की प्रासंगिकता आज भी हमें नेकी के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भगवान महावीर की 2623वीं जयंती पर हमें उनके बुनियादी सिद्धांतों अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह, की याद दिलाती है, जिनपर चलकर मानव जाति की इन समस्याओं को हल संभव है। महावीर ने जाति, समुदाय, धर्म, रंग या क्षेत्र के आधार पर असमानता को दूर करने के लिए अनेकांत (अनेकता में एकता) का सिद्धांत प्रतिपादित किया था। इस दिन हमें भगवान महावीर के विचारों का गहन मंथन कर आत्मसात करने की जरुरत है। वे महान समाज सुधारक थे। उनके बताये मार्ग पर चलकर हम अपने समाज को शांति और भलाई का रास्ता दिखा सकते है।

महावीर स्वामी का जन्म दिवस चैत्र की शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। जैन समुदाय के लिए महावीर जयंती का विशेष महत्व होता है। महावीर स्वामी जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान श्रीआदिनाथ की परंपरा में चौबीसवें तीर्थंकर हैं। महावीर स्वामी ने अहिंसा परमो धर्म सूत्र दिया। महावीर जयंती जैन समुदाय द्वारा भगवान महावीर के जन्म की खुशी में उत्सव के रूप में मनाते हैं। पंचशील सिद्धान्त के प्रर्वतक और जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर अहिंसा के प्रमुख ध्वजवाहकों में से एक है। भगवान महावीर ने पूरे समाज को सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। जैन समुदाय इस पर्व को उत्सव के तौर पर मनाते हैं।

मगवान महावीर ने हमेशा से ही दुनिया को अहिंसा और अपरिग्रह का संदिश दिया है। मोक्ष पाने के बाद, भगवान महावीर ने पांच सिद्धांत लोगों को बताए जो समृद्ध जीवन और आंतरिक शांति की ओर ले जाने वाले बताये जाते हैं। ये पांच सिद्धांत इस प्रकार हैं, पहला अहिंसा, दूसरा सत्य, तीसरा अस्तेय, चौथा ब्रह्मचर्य और पांचवा व अंतिम सिद्धांत है अपरिग्रह। इसी तरह किंवदंती है कि महावीर जी के जन्म से पूर्व उनकी माता जी ने 16 स्वप्न देखे थे जिनके स्वप्न का अर्थ राजा सिद्धार्थ द्वारा बतलाया गया है। महावीर स्वामी अहिंसा के पुजारी थे उनका मानना था कि इस दुनिया में जितने भी जीव है उन पर कभी भी हिंसा नहीं करनी चाहिए। भगवान महावीर का कहना है

कि मनुष्य को कभी भी असत्य का मार्ग नहीं अपनाना चाहिए। मनुष्य को सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। महावीर स्वामी ने ब्रह्मचर्य के बारे में बताया है कि उत्तम तपस्या,ज्ञान ,संयम और विनय ब्रह्मचर्य की जड़ है।

जैन मान्यताओं के अनुसार उनका जन्म बिहार के कुंडलपुर के राज परिवार में हुआ था। भगवान महावीर का बचपन का नाम वर्धमान था। कहा जाता है कि इन्होंने 30 साल की उम्र में घर छोड़ दिया और दीक्षा लेने के बाद 12 साल तपस्या की। दीक्षा लेने के बाद महावीर 12 साल तक तपस्या की। भगवान महावीर के दर्शन के लिए भक्तों को उनके सिद्धांतों का पालन करना जरूरी होता है। महावीर स्वामी सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा है। यही नहीं उनके हर भक्तों को अहिंसा के साथ, सत्य, अचौर्य, बह्मचर्य और अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक होता है। जैन ग्रंथों के अनुसार, 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के निर्वाण प्राप्त करने के 188 वर्ष बाद भगवान महावीर का जन्म हुआ था। अहिंसा परमो धमर्रू अर्थात अहिंसा सभी धर्मों से सर्वोपरि है। यह संदेश उन्होंने पूरी दुनिया को दिया व संसार का मार्गदर्शन कियाद्य पहले स्वयं अहिंसा का मार्ग अपनाया और फिर दूसरों को इसे अपनाने के लिये प्रेरित कियाद्य जियो और जीने दो का मूल मंत्र इन्हीं की देन हैद्य महावीर के सिद्धांत में समर्पण का भाव सबसे अहम था। उनका मानना था कि मांग कर, प्रार्थना करके या हाथ जोड़कर धर्म को हालिस नहीं किया जा सकता। महावीर मानते थे कि धर्म को खुद धारण करना चाहिए, इसे किसी से मांगकर हासिल नहीं किया जा सकता। धर्म जीतने से मिलता है, जिसके लिए संघर्ष करना पड़ता है। महावीर अहिंसा के पुजारी थे उनका मानना था कि इस दुनिया में जितने भी जीव है उन पर कभी भी हिंसा नहीं करनी चाहिए।

नजरिया

तीर्थंकर महावीर के विचार आज भी प्रासंगिक : श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र

श्रमण डॉ पुष्पेन्द्र ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक (जयंती) के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि भगवान महावीर ने जो शिक्षाएं और संदेश दिया वह आज भी प्रासंगिक हैं। अहिंसा, अपरिग्रह, करुणा और क्षमा के विचार जनमानस की जीवन पद्धति बन गए हैं। महावीर स्वामी ने मानवता को शांति, प्रेम, सौहार्द और बंधुत्व की भावना के साथ जीवन जीने का मार्ग बताया। संपूर्ण विश्व एक है और सभी प्राणी एक ही परिवार के सदस्य हैं। एक का सुख सबका सुख है। एक की पीड़ा सभी की पीड़ा है, उनका यह संदेश आज भी पूरी दुनिया के लिए आदर्श है।

आज पूरे विश्व में अशांति फैली हुई है। अनिश्चितता का दौर है, भय का माहौल है। एक दूसरे के प्रति अविश्वास की भावना है। अहिंसा, अपरिग्रह, जियो और जीने दो आदि सभी महत्वपूर्ण तीर्थंकर महावीर के सिद्धांत अनेकांतवाद की नींव पर ही टिके हैं। अनेकांतवाद का अर्थ है कि किसी भी एक पक्ष को सही मानकर नहीं चलना वरन सभी के मतों को, सभी के पक्षों को समाहित करते हुए तथ्यों तक पहुंचना। आज सभी समस्याओं की यही जड़ है कि सभी केवल अपनी बात को ही सही मानते हैं, दूसरों के सापेक्ष से उसे नहीं समझते यही दुख का कारण है, अशांति का कारण है। महावीर ने भारत के विचारों को उदारता दी, आचार को पवित्रता दी जिसने इंसान का गौरव बढ़ाया। उसके आदर्श को परमात्मा पद की बुलंदी तक पहुंचाया, जिसने सभी को धर्म और स्वतंत्रता का अधिकारी बनाया और जिसने भारत के आध्यात्मिक संदेश को अन्य देशों तक पहुंचाने की शक्ति दी। यही कारण है कि आज विश्व में तीर्थंकर महावीर के सिद्धांतों की ओर लोगों का ध्यान गया है। जहां अनेकांतवाद के सिद्धांतों का पालन नहीं हो रहा है वहां आतंकवाद की जड़ें मजबूत हो रही हैं। भगवान महावीर ने कहा था कि मूल बात दृष्टि की होती है। हम किस दृष्टि से अपने आसपास समाज में हो रही व्यवस्थाओं व घटनाओं को देखते हैं। उन्होंने बताया कि हम भीतर से अपने को देखें एवं उसकी सापेक्षता में इस जगत को समझें। आज महावीर के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने के लिए महावीरों की आवश्यकता है, प्रयोग वीरों की आवश्यकता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब की छत ढहने से 113 लोगों की मौत

सैंटो डोमिंगो/एपी। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सैंटो डोमिंगो में एक ऐतिहासिक नाइट क्लब की छत गिरने से कम से कम 98 लोगों की मौत हो गई और 255 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि सैंटो डोमिंगो का मशहूर जेट सेट नाइट क्लब सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात गायकों, संगीत प्रेमियों, एथलीट और सरकारी अधिकारियों से खचाखच भरा हुआ था। उन्होंने कहा कि मंच पर मेरेंग्यू गायिका रूबी पेरेज प्रस्तुति दे रही थीं, तभी नाइट क्लब की छत से सीमेंट झड़ने लगा और देखते ही देखते पूरी छत ढह गई।

अधिकारियों के मुताबिक, छत ढहने से डांस फ्लोर पर नाच रहे कम से कम 113 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों अन्य मलबे के नीचे दब गए। उन्होंने बताया कि हादसे में 255 से अधिक लोग घायल हुए हैं। आपातकालीन अभियान केंद्र के निदेशक मैनुअल मेंडीज ने बताया कि मृतकों में पेरेज भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बचाव दल मलबे में उन लोगों की तलाश में जुटे हैं, जिनके जीवित होने की संभावना है।

मेंडेज ने कहा, ''हम मलबे के नीचे लोगों की तलाश के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि हादसे में 113 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, लेकिन इनमें से महज 32 की ही अभी शिनाख्त की जा सकी है।

स्थानीय मीडिया की खबर के अनुसार, जान गंवाने वालों में एक हृदय रोग विशेषज्ञ, एक सरकारी वास्तुकार, एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी और युवा मंत्रालय के उप मंत्री के भाई शामिल हैं। डोमिनिकन गणराज्य की 'प्रोफेशनल बेसबॉल लीग' के प्रवक्ता ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि हादसे में एमएलबी (मेजर लीग बेसबॉल) पिचर ऑक्टेवियो डोटेल और खिलाड़ी टोनी एनरिक ब्लैंको कैबरेरा भी मारे गए। अधिकारियों के मुताबिक, उत्तर-पश्चिमी प्रांत मोंटेक्रिस्टी की गवर्नर और सात बार के एमएलबी ऑल-स्टार (लीग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी) नेल्सन क्रूज की बहन नेल्सी क्रूज भी मृतकों में शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मलबे में दबी नेल्सी ने राष्ट्रपति लुईस अबिनाडर को फोन कर हादसे की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि बाद में नेल्सी ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। खबरों के अनुसार, हादसे में पेरेज के संगीत समूह में शामिल सैक्सोफोन वादक लुईस सोल्स, कई बार कर्मियों और सेना के एक जवान की भी मौत हो गई।

बातचीत

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को ताशकंद में भारत-उज्बेकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने में उनके योगदान की सराहना करते हुए इंडोलॉजिस्ट से बातचीत की।

प्राचीन नालंदा सांस्कृतिक कूटनीति का भी था केंद्र

नई दिल्ली/भाषा। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय देशों की ''सीमाओं से परे और दुनिया भर के विद्वानों को आकर्षित करने वाला संस्थान'' होने के साथ-साथ 'सांस्कृतिक कूटनीति का केंद्र' भी था। यह कहना है राजनयिक और लेखक अभय के. का।

अभय ने अपनी नई किताब ''नालंदा: हाउ इट चेंज्ड द वर्ल्ड'' में शिक्षा के इस प्रसिद्ध केंद्र के उत्थान, पतन और पुनरूद्धार के साथ-साथ सैकड़ों वर्षों तक निर्बाध रूप से विश्व को दिए गए इसके महत्वपूर्ण योगदान का भी वर्णन किया है।

वर्तमान में विदेश मंत्रालय के तहत भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर)के उप महानिदेशक के रूप में कार्यरत, राजनयिक बिहार के नालंदा जिले के प्राचीन शहर राजगीर के मूल निवासी हैं।

अभय ने दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में मंगलवार शाम को आयोजित एक संवाद कार्यक्रम से इतर 'पीटीआई-भाषा' को दिए वीडियो साक्षात्कार में कहा, ''मुझे लगता है कि इस स्थल पर और अधिक खुदाई की जरूरत है।''

नालंदा विश्वविद्यालय या नालंदा महाविहार के खंडहर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल है। यह प्रतिष्ठित सम्मान इसे 2016 में प्राप्त हुआ था। यूनेस्को की वेबसाइट के अनुसार, नालंदा महाविहार पुरातत्व स्थल पर तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से 13वीं शताब्दी ईसवी तक के मठ और शैक्षिक संस्थान के अवशेष शामिल हैं।

अभय के. ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यह एक ऐसा स्थान था जहां दुनिया भर से लोग आते थे, एकत्र होते थे, ज्ञान प्राप्त करते थे और फिर उस ज्ञान को अपने साथ ले जाते थे और अपने देशों में इसका प्रसार करते थे। इसलिए, सांस्कृतिक कूटनीति के लिए नालंदा से बड़ा केंद्र और क्या हो सकता है।''

अमृतसर में चिलचिलाती गर्मी से बचने के लिए छाते थामे महिलाएँ।

मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य

नई दिल्ली/भाषा। मुंबई आतंकवादी हमला मामले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को बहुत जल्द अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किए जाने की संभावना है। राणा के बारे में कुछ महत्वपूर्ण तथ्य इस प्रकार हैं:

राणा (64) पाकिस्तान में जन्मा कनाडाई नागरिक है और 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी का करीबी सहयोगी है।उसका जन्म पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के साहीवाल जिले के चिचावतनी शहर में हुआ था।

पाकिस्तान में चिकित्सा की पढ़ाई करने के बाद उसने पाकिस्तानी सेना की मेडिकल कोर में काम किया। राणा 1990 के दशक के अंत में पाकिस्तानी सेना छोड़कर कनाडा चला गया और बाद में उसे कनाडा की नागरिकता मिल गई।

उसने अपने 'फर्स्ट वर्ल्ड इमिग्रेशन सर्विसेज' उद्यम के माध्यम से आव्रजन सेवा प्रदाता का अपना व्यवसाय शुरू किया। इसके बाद राणा अमेरिका चला गया और शिकागो में अपना कार्यालय स्थापित किया।

सुरक्षा एजेंसी के अधिकारियों का कहना है कि हेडली, राणा के बचपन का दोस्त है। उसके जन्म के कुछ समय बाद हेडली का परिवार पाकिस्तान चला गया, जहां अटक जिले के हसन अब्दल शहर के एक स्कूल में उसकी पढ़ाई हुई। वहीं, हेडली की राणा से दोस्ती हुई। वर्ष 2008 में 26 नवंबर को मुंबई आतंकवादी हमला मामले में राणा की क्या संलिप्तता है? राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 11 नवंबर, 2009 को हेडली, राणा और अन्य के खिलाफ भारतीय दंड संहिता , गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, और आतंकवाद रोधी सार्क संधि अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। शिकागो, इलिनोइस निवासी हेडली और राणा ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हरकत-उल जिहादी इस्लामी (एचयूजेआई) के सदस्यों के साथ मिलकर नई दिल्ली और भारत के अन्य स्थानों पर आतंकवादी हमले की आपराधिक साजिश रची थी।

साल 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकियों समेत कुल 166 लोग मारे गए थे। इन हमलों को 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने अंजाम दिया था। नवंबर 2012 में, पाकिस्तानी समूह के एकमात्र जीवित आतंकवादी अजमल आमिर कसाब को पुणे की यरवदा जेल में फांसी दे दी गई थी। जांच एजेंसी के अधिकारियों ने कहा कि राणा ने हेडली को भारत के लिए वीजा दिलाने में मदद की थी। आरोप है कि राणा को हेडली के आतंकी संबंधों की जानकारी थी और उसने मुंबई में लक्ष्यों की टोह लेने तथा नई दिल्ली में 'नेशनल डिफेंस कॉलेज' और मुंबई में चबाड हाउस पर हमलों की साजिश रचने में भी मदद की थी।

अधिकारियों ने बताया कि हेडली जून 2006 में अमेरिका गया था और राणा से मिला था।

'कन्नप्पा' की टीम ने की योगी से मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को उनके सरकारी आवास पर फिल्म 'कन्नप्पा' के निर्माता डॉ एम मोहन बाबू, अभिनेता विष्णु मांचू, प्रभु देवा और कार्यकारी निर्माता विनय महेश्वरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कन्नप्पा का एक आकर्षक पोस्टर अनावरण किया गया। फिल्म 27 जून को दुनिया भर में रिलीज़ होगी। मुख्यमंत्री को फिल्म निर्माण की एक झलक भी दिखाई गई। मुख्यमंत्री योगी ने टीम के प्रयासों की सराहना की और भारतीय पौराणिक कथाओं, संस्कृति और भक्ति में निहित कहानियों को बताने के महत्व पर जोर दिया। कन्नप्पा टीम ने योगी को फिल्म तैयार होने पर देखने और तिरुपति आने का निमंत्रण दिया। इस मुलाकात के बारे में विष्णु मांचू ने कहा सीएम योगी आदित्यनाथ जी से मिलना हम सभी के लिए बेहद सम्मान की बात थी। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने अपने जीवन का एक दशक कन्नप्पा में लगाया है, उन्हें हमारी फिल्म की आत्मा के साथ जुड़ते देखना अविश्वसनीय रूप से भावुक करने वाला था। उन्होंने समझा कि कन्नप्पा केवल एक कहानी नहीं है बल्कि एक सांस्कृतिक पुनरुत्थान है। उन्होंने इस तरह की और फ़िल्में बनाने और देखने का आह्वान किया, जो आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शक्ति की पुष्टि करता है।

उनके शब्द हमें याद दिलाते हैं कि हमारी पौराणिक कथाओं, हमारे इतिहास, हमारे नायकों को बड़े पर्दे पर अपनी आवाज़ ढूँढ़नी चाहिए और पीढ़ियों तक पहुँचाना चाहिए। 27 जून को रिलीज़ होने वाली कन्नप्पा एक ऐतिहासिक महाकाव्य है जो भगवान शिव के महान भक्त की कहानी बयां करती है। विष्णु मांचू कन्नप्पा की भूमिका में हैं, उनके साथ प्रीति मुखुंधन,मोहनलाल, अक्षय कुमार, प्रभास और काजल अग्रवाल ने भी दमदार अभिनय किया है। गौरतलब है कि कन्नपा की टीम ने इससे पहले मंगलवार को आध्यात्मिक गुरू धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री (बागेश्वर बाबा) से मुलाकात की थी। मुलाकात के दौरान, बागेश्वर बाबा ने विष्णु मांचू, निर्देशक मुकेश कुमार सिंह और फिल्म के खलनायक अर्पित रांका सहित कन्नप्पा की टीम को अपना आशीर्वाद दिया। उन्होंने भक्त कन्नप्पा की महानता के बारे में विस्तार से बात की और फिल्म की झलकियां देखीं, तथा इसके विज़न की सराहना की। उन्होंने सिनेमा के माध्यम से भारतीय संस्कृति और प्राचीन कहानियों को सामने लाने के प्रयास की प्रशंसा की, तथा कहा कि ऐसी फ़िल्में अवश्य बननी चाहिए और जन-जन तक पहुंचनी चाहिए।

एनटीआरनील की शूटिंग करेंगे जूनियर एनटीआर

मुंबई/एजेंसी। मैन ऑफ मासेस जूनियर एनटीआर 22 अप्रैल से अपनी आने वाली फिल्म एनटीआरनील की शूटिंग शुरू करेंगे। माइथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आटर्स के बैनर तले बन रही फिल्म एनटीआरनील एक दमदार सिनेमैटिक स्पेक्ट्रैकल बनने जा रही है, जहां सिनेमा की दुनिया के दिग्गज पहली बार साथ आ रहे हैं। पहली बार इंडियन एंटरटेनमेंट की तीन बड़ी ताक़तें माइथ्री मूवी मेकर्स, प्रशांत नील और जूनियर एनटीआरएक एक धमाकेदार फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं । फिलहाल इस फिल्म को 'एनटीआरनील' कहा जा रहा है और इसे लेकर फैंस में जबरदस्त बज़ है। जूनियर एनटीआर 22 अप्रैल से इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

अपने सोशल मीडिया पर मेकर्स ने एनटीआरनील को लेकर एक ज़बरदस्त अपडेट शेयर किया है। उन्होंने ऐलान किया कि जूनियर एनटीआर 22 अप्रैल से शूटिंग शुरू करेंगे।

निर्मित कौर अहलूवालिया अपने 'खतरों के खिलाड़ी' वाले वर्कआउट रूटीन पर लौटी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया अपने 'खतरों के खिलाड़ी' वाले वर्कआउट रूटीन पर लौट आयी हैं। 'खतरों के खिलाड़ी' में अपनी सीमाओं को पार करने के बाद, अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया ने अब अपनी फिटनेस यात्रा को और आगे बढ़ाने का फैसला किया है। इस रियलिटी शो में अपनी हिम्मत और ताकत से दर्शकों को प्रभावित करने वाली निर्मित ने फिर से उसी सख्त वर्कआउट रूटीन को अपनाया है, जिसे उन्होंने शो की तैयारी के दौरान शुरू किया था। निर्मित की फिटनेस यात्रा काफी प्रेरणादायक रही है। उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स अक्सर उनकी मेहनत और समर्पण को दर्शाते हैं,चाहे वह शो से पहले की तैयारी हो या उसके बाद की अनुशासित दिनचर्या। 'खतरों के खिलाड़ी' के बाद भी उन्होंने अपनी मेहनत जारी रखी, यह साबित करते हुए कि उनके लिए फिटनेस किसी एक प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है।

वह अब दोबारा उस गहन ट्रेनिंग को अपना रही हैं, जिसमें किकबॉक्सिंग, चपलता बढ़ाने वाले एक्सरसाइज, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और इंटरमीडिएट लेवल की (मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स) शामिल हैं। अपने नए साल के फिटनेस लक्ष्यों पर बात करते हुए निर्मित ने कहा, मेरे लिए फिटनेस हमेशा खुद को चुनौती देने के बारे में रही है। 'खतरों के खिलाड़ी' ने मुझे अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया, और मैं इस जज़्बे को 2025 में भी जारी रखना चाहती हूं। इस साल मेरा लक्ष्य 100 किलो डेडलिफ्ट और बॉडी वेट स्क्वाट्स करना है। मैंने अब अपने रूटीन में पिलाटेस को भी शामिल कर लिया है। फिटनेस यात्रा कभी रुकती नहीं, बल्कि समय के साथ और विकसित होती है, और मैं उत्साहित हूं यह देखने के लिए कि यह मुझे आगे कहां ले जाती है। 'खतरों के खिलाड़ी' के लिए जो गहन फिटनेस रूटीन अपनाया था, मैं उसी अनुशासन से फिर जुड़ना चाहती हूं और इसमें और बेहतर बनना चाहती हूं।

सन्नी देओल ने तनोट माता के दर्शन कर की पूजा-अर्चना

जैसलमेर। फिल्म अभिनेता सन्नी देओल ने बुधवार को भारत-पाक की सरहद पर स्थित जैसलमेर जिले के तनोट राय माता मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। देओल के मंदिर पहुंचने पर सीमा सुरक्षा बल के उप महानिरीक्षक योगेन्द्र सिंह राठोड़ ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने तनोट माता के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपनी आगामी फिल्म की सफलता के लिए प्रार्थना की तथा रुमाल घर में मन्नती रुमाल भी बांधा। गौरतलब है 10 अप्रैल को सनी देओल की जाट फ़िल्म रिलीज हो रही है, उसकी सफलता की कामना के लिए वे तनॉट माता मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए आये हैं।

तैयारी

अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में बैसाखी समारोह के लिए पाकिस्तान जाने के लिए तैयार श्रद्धालु।

फिल्म 'छोरी 2' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरूचा की आने वाली फिल्म छोरी 2 का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। टी-सीरीज़, एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट, साइक और टैमारिस्क लेन प्रोडक्शन की हॉरर फिल्म छोरी 2 का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है और इसमें नुसरत भरूचा ने साक्षी के क़िरदार में वापसी की है, उनके साथ सोहा अली ख़ान ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। काफी इंतज़ार के बाद, छोरी 2 का ट्रेलर और नए पोस्टर्स रिलीज़ हो गए हैं, जिसमें नुसरत भरुचा एक बार फिर साक्षी के अपने डरावने किरदार में वापस लौटी हैं।

यह सीक्वल वहीं से शुरू होता है जहाँ पहली फिल्म खत्म हुई थी, और अब कहानी और भी गहरे और भयानक रहस्यों से भरी एक अलौकिक दुनिया में उतरती है। इस बार साक्षी को और भी खतरनाक चुनौतियों का सामना करना है, जहाँ वो अपनी अजन्मी संतान को शैतानी ताक़तों से बचाने की लड़ाई लड़ रही है। फिल्म छोरी में नुसरत भरुचा की परफॉर्मेंस को उसकी इमोशनल गहराई और बेहतरीन इंटेंसिटी के लिए खूब सराहा गया था। छोरी 2 में वो इस किरदार को और भी उंचाई पर ले जाने वाली हैं। फिल्म छोरी 2 में गश्मीर महाजनी, सौरभ गोयल, पल्लवी अजय, कुलदीप सरीन, और हार्दिका शर्मा जैसे कलाकारों भी नज़र आने वाले हैं। भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों एवं क्षेत्रों में 11 अप्रैल 2025 को प्राइम वीडियो पर छोरी 2 का एक्सक्लूसिव प्रीमियर होगा।

देश में अशिक्षा है सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा : संजना सांघी

मुंबई/एजेन्सी

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की यूथ चैंपियन अभिनेत्री संजना सांघी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। अभिनेत्री का मानना है कि अशिक्षा ही हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय काम के अनुभव पर भी बात की। संजना ने बताया कि उन्हें किस बात ने प्रेरित किया। सांघी ने कहा, मुझे याद है कि मैंने एम्मा वाटसन को यूएन में बोलते हुए देखा था और मेरे पर वहीं से प्रभाव पड़ा। बच्चों को पढ़ाने से मुझे उनसे जुड़ाव का एहसास हुआ। आखिरकार, मैंने वॉलंटियर्स को सलाह देना शुरू कर दिया और उस पहल को आगे बढ़ाया। मेरा सपना एक ऐसे संगठन के निर्माण करने का है, जहां हमारे देश में कोई भी अशिक्षित न हो, मुझे लगता है कि शिक्षा की कमी हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है। सांघी का मानना है कि शिक्षा से

जेंडर और वेतन असमानता तथा स्वास्थ्य जागरूकता की कमी जैसे कई मुद्दों का समाधान हो सकता है।

संजना ने आगे कहा, शिक्षा की कमी हमारे सामने आने वाले बड़े मुद्दों की जड़ है। इसे हल करें और आप लिंग और वेतन असमानता, मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता, महिला अधिकार जैसे विषयों पर खुलकर बात कर सकेंगे। दुर्भाग्य से लॉकडाउन में अध्ययनों से पता चलता है कि 10 मिलियन लड़कियों को स्कूल छोड़ने और घर में रहने के लिए मजबूर किया गया। वहीं, लड़कों की संख्या एक मिलियन से कम थी। शुरुआती सफलता और चुनौतियों से निपटने के बारे में उन्होंने बताया, ओम का बॉक्स ऑफिस पर सकारात्मक प्रदर्शन न करने से मुझे एहसास हुआ कि 'प्रक्रिया ही पुरस्कार है'। उन्होंने आगे बताया, मुझे याद है कि मैंने शुक्रवार को रिलीज के जश्न के लिए अपने सभी दोस्तों को बुलाया था, क्योंकि यह एक ऐसी यात्रा थी, जिसका मैंने बहुत आनंद लिया और यह मेरे लिए एक अनुभव के रूप में एक मजेदार यात्रा थी।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित समृद्ध राष्ट्र योजना के आयाम संरक्षण 'बढ़ते कदम विकास की ओर' के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा संरक्षित मालगला स्थित सरकारी हायर प्राइमरी स्कूल का आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्निर्माण किया गया, जिसका उद्घाटन मंगलवार को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बेंगलूरु नॉर्थ 1 के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तारानाथ ने किया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक
www.dakshinbharat.com

विजयनगर तेरापंथ महिला मंडल ने सरकारी स्कूल का पुनर्निर्माण कर किया उद्घाटन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित समृद्ध राष्ट्र योजना के आयाम संरक्षण 'बढ़ते कदम विकास की ओर' के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा संरक्षित मालगला स्थित सरकारी हायर प्राइमरी स्कूल का आधुनिक सुविधाओं के साथ पुनर्निर्माण किया गया, जिसका उद्घाटन मंगलवार को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित बेंगलूरु नॉर्थ 1 के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी तारानाथ ने किया। तारानाथ ने स्कूल के विकास के लिए मंडल द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। स्कूल प्रबंधन ने महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू गादिया, मंत्री दीपिका गोखरू आदि का सम्मान किया। मंजू गादिया ने कहा कि आज से दो वर्ष पहले जिस संकल्प के साथ हमने इस स्कूल का कार्य का बीड़ा उठाया था, उसे पूरा करते हुए बच्चों के विकास एवं सुविधाओं को ध्यान में रखकर इसे पूरा किया है।

उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा व अन्य संयोजिकाओं का उनके मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद दिया। योजना की राष्ट्रीय संयोजिका व महिला मंडल की पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री वीणा बैद ने योजना की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर उपस्थित अनेक अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के स्कूल पुनर्निर्माण में विशेष सहयोग के लिए भूपेंद्र हरण, शशिकला नाहर, मनीष चावत, सरिता लोढ़ा, सोहनलाल चोपड़ा, राजेंद्र मरलेचा, मनीष बोथरा, प्रकाश बैद, मैक कंप्यूटर, सुरेश भंडारी, मिश्रीमल मांडोत आदि सहयोगियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अभातेममं की लता जैन, कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया, पूर्व अध्यक्षा कुसुम डांगी, विजयनगर सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, गांधीनगर मंडल की अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल, योजना की संयोजिका महिमा पटावरी एवं मोनिका बांठिया सहित अनेक शिक्षकों की उपस्थिति थी।

हुब्बल्ली टीम ने जीता मारवाड़ी प्रीमियर लीग क्रिकेट कप

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा बेलगावी शाखा के आतिथ्य में बेलगावी में दो दिवसीय प्रांतीय स्तर के मारवाड़ी प्रीमियर लीग-2025 का आयोजन किया गया, जिसमें कर्नाटक के 9 टीमों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश जैन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साकेत रिटोलिया, कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा, पूवर्र् प्रांतीय अध्यक्ष नितेश टिबड़ेवाल सहित अनेक शाखा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेलगावी शाखा के सचिव नटवर मोदानी ने बताया कि शाखा अध्यक्ष गोपाल उपाध्याय के नेतृत्व में यह आयोजन किया गया जिसमें लगभग 150 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में ऑर्बिट प्ले यंग स्टार्स हुब्बल्ली टीम ने फाइनल मैच जीत कर एमपीएल कप पर कब्जा किया। बेलगावी की टीम उपविजेता रही। पदाधिकारियों ने ट्रॉफी का वितरण किया। प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा ने सभी युवा साथियों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

समाजसेवी धर्मचन्द बम्बकी ने जन्मभूमि एवं कर्मभूमि दोनों में बनाई अपनी साख

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के प्रतिष्ठित ज्वेलरी प्रतिष्ठान गणेश डायमंड एंड ज्वेलरी' के प्रमुख धर्मचन्द बम्बकी का गत 29 मार्च को असाध्य बीमारी के बाद निधन हो गया। मेवाड़ के मदारिया-मगरा क्षेत्र के लसानी निवासी धर्मचन्द बम्बकी धार्मिक आसक्ति वाले, हंसमुख व्यक्तित्व, दबंग स्वभाव के समाजसेवी थे। स्व. धर्मचन्द ने कभी भी अपनी जीवनशैली व सिद्धांतों से किसी प्रकार का कोईसमझौता नहीं किया। स्व. बम्बकी साधुमार्गी जैन संघ, व्यसन मुक्ति के प्रबल प्रेरक आचार्यश्री रामलालजी म.सा. के प्रति अनन्य श्रद्धा भाव एवं समर्पण रखते थे। मिलनसार धर्मचन्द पारिवारिक एकता के घोर समर्थक थे और वे हमेशा प्रयासरत रहते थे कि उनका परिवार एक छत के नीचे एक साथ मिलजुल कर रहे। उन्होंने अपने परिवार की एकता को बनाए रखने के लिए अनेक ठोस कदम भी उठाए। उनके अनुज धर्मचन्द, लक्ष्मीलाल, सुरेन्द्रकुमार (सुवालाल), भीकमचन्द, विमलकुमार, स्व. हीरालाल व तेजमल बम्बकी हैं जो कि सभी बेंगलूरु में गणेश डायमंड व ज्वेलरी समूह के नाम से आभूषणों का व्यापार करते हैं। आज बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों में गणेश प्रतिष्ठान समूह के आभूषण व अन्य उत्पादों के अनेक शोरुम हैं। धर्म-परिवार के साथ साथ धर्मचन्दजी व्यापार में भी उतने ही कुशल थे। उनका मानना था कि ग्राहकों का विश्वास ही आपकी मूल पूंजी है। ईमानदारी ही उनकी दुकानदारी है। शुद्धता को ही वे अपना सिद्धांत मानते थे।

स्व. धर्मचन्दजी के छोटे भाइयों ने बताया कि पिताजी के जाने के बाद उनके भ्राता धर्मचन्दजी ने ही उनके पूरे परिवार को पिता बनकर पाला और धर्म के संस्कार दिए। सभी अनुज मानते हैं कि आज बम्बकी परिवार जो कुछ भी है वह भाई धर्मचन्दजी के त्याग, कर्म, सहयोग, निर्णय, एकता व प्रोत्साहन के कारण ही है। स्व. धर्मचन्दजी की धर्मपत्नी तारादेवी बम्बकी ने जीवन के हर मोड़ पर उनका पूरा साथ दिया। छोटे भाइयों ने बताया कि धर्मचन्दजी कभी भी घर से बाहर बाजार या होटल में भोजन नहीं करते थे तथा कई वर्षों से रात्रि-भोजन त्याग का नियम भी पाल रहे थे। उन्होंने अपने जीवन पर्यंत में लिफ्ट का उपयोग न करने की सौगंध ले रखी थी।

जीवन में अनुशासन को बहतु महत्त्व देने वाले धार्मिक स्वभाव के धर्मचंद बम्बकी हर पक्खी का उपवास, सामायिक-प्रतिक्रमण-व्रत-प्रत्याख्यान, पर्युषण पर्वाराधना हेतु स्वाध्यायी सेवा में अग्रसर रहते थे। गायों के प्रति उनका प्रेम अटूट था। उन्होंने अपने मूल निवास लसानी व बेंगलूरु में गुजरात गिर जाति की दुधारु गायों को पाल रखा था तथा समय समय पर अपने हाथों से सेवा करते थे। गत वर्ष ही वे साधुमार्गी जैन संघ बेंगलूरु के अध्यक्ष पद पर भी थे। वे अनेक सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं से सक्रिय रूप से जुड़े हुए थे। अपनी कर्मभूमि बेंगलूरु के साथ साथ वे अपनी जन्मभूमि राजस्थान लसानी में भी अनेक सेवाभावी कार्य करते रहते थे।संयुक्त परिवार के हिमायती धर्मचंदजी को आज उनके गुणों के कारण हर कोई याद कर रहा है ।

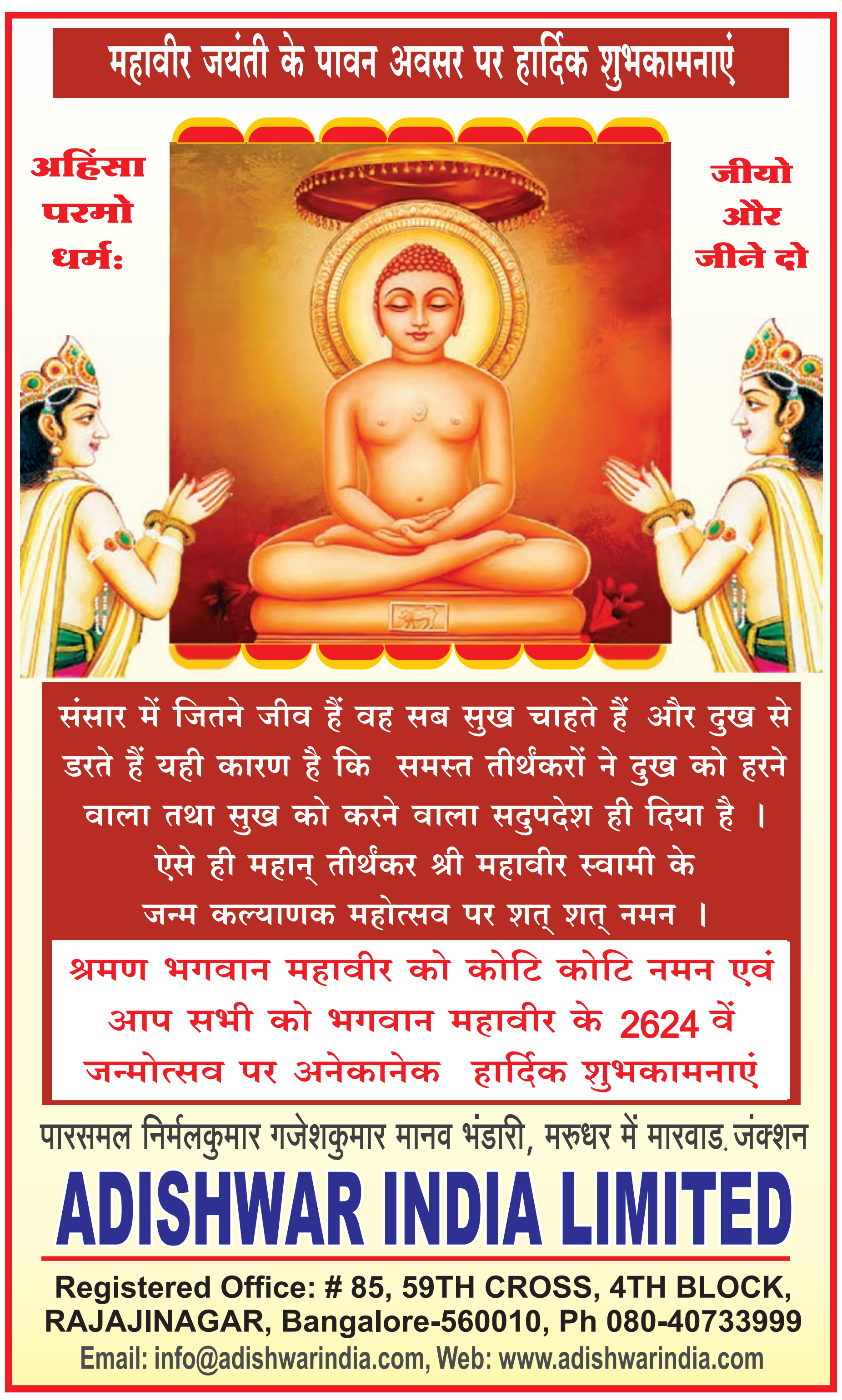

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com